हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 04.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 190 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

शब-ए-बारात पर आज सार्वजनिक अवकाश

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मियों के लिए शब-ए-बारात के अवसर पर छुट्टी की घोषणा की है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा मंगलवार को इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई। इस दौरान राज्य सरकार के सभी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और सार्वजनिक उपक्रम आज बंद रहेंगे।

एसीबी ने दस हजार घूस लेते जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी को दबोचा

चतरा : एसीबी ने मंगलवार को जिला आयुष कार्यालय में जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राम प्रकाश वर्मा को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार डॉ. राम प्रकाश टंडवा में पदस्थापित आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सक पदाधिकारी डॉ. प्रिया कुमारी से बतौर रिश्वत यह राशि ले रहा था। जानकारी के अनुसार डा. प्रिया कुमारी को दिसंबर और जनवरी माह का मानदेय अब तक नहीं मिला था। भुगतान जारी करने के नाम पर जिला आयुष पदाधिकारी द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा था और इसके लिए रुपये की मांग की जा रही थी। लगातार परेशान किए जाने के बाद डॉ. प्रिया ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक ने मामले शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पहले सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई।

मणिपुर के नए मुख्यमंत्री होंगे युमनाम खेमचंद सिंह

इंफाल : हिंसाग्रस्त रहे मणिपुर को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। राजधानी इंफाल में पिछले डेढ़ घंटे से चल रही बीजेपी विधायक दल की बैठक में नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लग गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, युमनाम खेमचंद सिंह को बीजेपी विधायक दल का नया नेता चुन लिया गया है। वे राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इस बैठक में नॉर्थ ईस्ट समन्वयक संबित पात्रा, मणिपुर बीजेपी प्रभारी अजीत गोपछड़े और पर्यवेक्षक तरुण चुघ विशेष रूप से मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

देश की अर्थव्यवस्था में झारखंड का अहम योगदान : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संपदाओं का धनी राज्य है। झारखंड की समृद्ध संस्कृति और परंपरा इस राज्य को अलग और अनोखी पहचान प्रदान करती हैं। यहां की जनजातीय संस्कृति और परंपराएं इस राज्य की धरोहर हैं। हमारा राज्य विश्व प्रसिद्ध परंपराओं को लेकर जाना जाता है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ियों ने पूरे विश्व में अपने प्रतिभाओं का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने यहां एक बेहतर खेल नीति बनाई है जिसके तहत खेल एवं खिलाड़ियों को बेहतर प्लेटफार्म दिया जा रहा है। झारखंड के खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी, आर्चरी सहित कई विभिन्न खेलों में एक अमिट पहचान बनाई है। भारतीय महिला हॉकी टीम में

▶ राज्य में उद्योग की असीम संभावनाएं ▶ शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव

कप्तान सहित झारखंड की 50 प्रतिशत खिलाड़ी ने अपनी जगह बना रखी है। क्रिकेट जगत के प्रसिद्ध खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी, आर्चरी की प्रसिद्ध खिलाड़ी दीपिका कुमारी भी इसी राज्य से हैं। खेल के क्षेत्र में झारखंड मजबूत प्रदेश है। जनजातीय समुदाय के कई युवा महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने सीमित संसाधन के बावजूद बेहतर कर दिखाया है जो इस राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। राज्य में सरकारी विद्यालयों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के रूप में अपग्रेड करने का कार्य किया गया है। इन विद्यालयों में प्राइवेट स्कूलों के तर्ज पर विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार कई निजी शिक्षण संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर यहां के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सिटी बिल भी कैबिनेट से पास कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में 10 मेडिकल कॉलेज स्वयं चला रही है इसके अलावा कई प्राइवेट मेडिकल कॉलेज भी चलाए जा रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में नर्सिंग कॉलेज भी संचालित हैं। राज्य सरकार ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया है। कई नए पॉलिटेक्निक कॉलेज भी बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम के तहत बिना कोई गारंटी के 15 लाख रुपए ऋण प्रदान किए जाने का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की यह सोच है कि गरीबी के कारण हमारे बच्चे-बच्चियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न न हो इस निमित्त हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने उद्योग सेक्टर की चर्चा करते हुए कहा कि झारखंड में उद्योग का एक बेहतर इतिहास रहा है। टाटा, एचईसी के साथ-साथ स्टील एवं फर्टिलाइजर इंडस्ट्री जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियां हमारे राज्य में स्थापित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह राज्य उद्योग के क्षेत्र में काफी बेहतर है। राज्य सरकार उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतर नीति भी बनाई है, जिसके तहत निवेशक झारखंड में निवेश करने हेतु इच्छुक भी हैं। झारखंड ने पहली बार विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के वार्षिक सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में विश्व आर्थिक मंच में मिले अनुभवों का राज्यवासियों को काफी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य में उद्योग की बेहतर संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं पर हमारी सरकार कार्य कर रही है जिसका प्रतिफल आने वाले दिनों में हमें अवश्य प्राप्त होगा।

खिजुरिया में मुख्यमंत्री से मिले आमजन समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : दुमका जिला के खिजुरिया स्थित अपने आवास पर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों ने मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का शीघ्र, प्रभावी और संवेदनशील तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम जनता की परेशानियों को दूर करना है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार आम लोगों के हितों के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार गांव, गरीब और आमजन की सरकार है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है और सभी पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं का लाभ अवश्य लेना चाहिए।

मुलाकात के दौरान उपस्थित नागरिकों ने राज्य सरकार की योजनाओं की सराहना की और अपनी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने और समाधान का भरोसा देने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 2 फरवरी को ही दुमका पहुंचे थे, जहां उन्होंने झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह मौका ऐतिहासिक और भावनात्मक दोनों था, क्योंकि पहली बार दुमका में झारखंड स्थापना दिवस दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अनुपस्थिति में मनाया गया। इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित झामुमो के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भावुक नजर आए। कार्यक्रम में दिशोम गुरु को याद करते हुए कई बार माहौल गंभीर और भावनात्मक हो गया। सीएम हेमंत सोरेन ने भी मंच से और मंच के बाहर अपने भाव स्पष्ट रूप से व्यक्त किए।

शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 70 मिसाइलें-450 ड्रोन से बरपाया कहर

एजेंसी

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर एक बहुत बड़ा हमला किया है। इस दौरान रूस ने लगभग 450 लंबी दूरी के ड्रोन और 70 अलग-अलग तरह की मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में शांति वार्ता करने वाले हैं। अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली इस बातचीत का मकसद चार साल से चल रहे युद्ध को रोकना है।

जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने यूक्रेन के पांच राज्यों में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया। कड़ाके की ठंड के बीच रूस का मकसद नागरिकों को बिजली, पानी और हीटिंग से महरूम रखना है। इस हमले में दस लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस कूटनीति के बजाय लोगों को डराने में ज्यादा यकीन रखता है। उन्होंने अपने सहयोगियों से और ज्यादा सुरक्षा उपकरण भेजने और रूस पर दबाव बनाने की अपील की है, ताकि इस युद्ध को खत्म किया जा सके।

अबू धाबी में बुधवार और गुरुवार को बातचीत होनी है। हालांकि ट्रंप प्रशासन जमीन के कब्जे जैसे बड़े मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा समझौता मुश्किल लग रहा है। यूक्रेन की सबसे बड़ी बिजली कंपनी डीटीईके ने बताया कि हमले में उनके पावर प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने कहा कि राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, राजधानी कीव में पांच लोग घायल हुए हैं। वहां कई घरों, एक स्कूल और गैस स्टेशन को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की वजह से 1,170 इमारतों में हीटिंग की सुविधा बंद हो गई है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से किसानों को नुकसान नहीं, डेयरी और कृषि क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : पीयूष गोयल

- उद्योग, वस्त्र और निर्यात क्षेत्र को राहत मिलने की बात कही गई।
- कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखा गया।
- एमएसएमई, इंजीनियरिंग, जेम-ज्वैलरी, लेदर और मरीन सेक्टर को अवसर मिलने का दावा।
- सरकार के अनुसार लंबी बातचीत और जटिल मुद्दों के बाद समझौता हुआ।

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इससे युवाओं के लिए अवसरों का सृजन होगा। गोयल ने दावा किया कि व्यापार समझौते से भारत के डेयरी और कृषि क्षेत्र को संरक्षण मिला है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से टैरिफ को लेकर ताजा घोषणा के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज यहां मीडिया के समक्ष समझौते का पूरा ब्यौरा रखा। गोयल ने कहा कि यह व्यापार समझौता वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि वे इस बारे में संसद में बोलना चाहते थे लेकिन विपक्षी सदस्यों की तरफ से संसद में किए गए हंगामे के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

भारत पर टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नए घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को सबसे अच्छा सौदा बताया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंधों को दिया और जोर देकर कहा कि बातचीत के दौरान भारत का राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर रहा। गोयल ने कहा, आज देशभर में हर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिका के साथ मजबूत व्यापार समझौता पक्का करने के लिए धन्यवाद दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, "राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित सबसे आगे रखते हुए एक डील फाइनल की गई है, जो मजबूत भारत के भविष्य को ताकत देगी।" इस समझौते को "शानदार" बताते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था और इंडस्ट्री के लिए बड़े मौके खुलेंगे।

संसद में टूटी मर्यादा : लोस स्पीकर के आसन की ओर कागज उछालने वाले आठ सांसद निलंबित

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद की कार्यवाही के दौरान मंगलवार सदन की मर्यादा टूटने का मामला सामने आया। सत्र में खूब हंगामा देखने को मिला। इसके बीच कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंके। इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित सांसदों को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। आठ सांसदों पर ये कार्रवाई हुई है। भारी शोर-शराबे और विरोध के कारण सदन की कार्यवाही कई बार रोकनी पड़ी। वहीं, कार्यवाही कल यानी बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

दोपहर तीन बजे जब चौथी बार लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंकने वाले सदस्यों के नाम दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐसे सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा। सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बावजूद हंगामा थमता नहीं दिखा। इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार दोपहर से ही सदन में हंगामा हो रहा है, जब गांधी को 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण के अंशों पर आधारित एक लेख का हवाला देने से रोक दिया गया था।

कार्यवाही के दौरान पीठासीन अधिकारी ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद अगले वक्ताओं के नाम पुकारे। इस पर विपक्षी दलों ने विरोध जताया। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने भी बोलने से इनकार कर दिया। इससे सदन में तनाव और बढ़ गया। विपक्षी सांसद विरोध जताते हुए सदन के वेल में पहुंच गए। उन्होंने नारेबाजी की और स्पीकर के आसन की ओर कागज उछाले।

इन सासंदो को किया गया निलंबित

- डीन कुरियाकोस
- किरण रेड्डी
- अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग
- मणिकम टैगौर
- गुरजीत औजला
- हिबी इडेन
- वेंकेट रमन
- प्रशांत पडोले

सदन में क्या कार्रवाई हुई?

- आठ विपक्षी सांसदों पर कार्रवाई की गई।
- इन सभी को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया है।
- लोस की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

बंगाल के कई शहरों में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी, लाखों की नकदी बरामद

एजेंसी

कोलकाता : कोयला और बालू तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में एक साथ बड़ी कार्रवाई शुरू की। कोलकाता, दुर्गापुर और आसनसोल सहित विभिन्न जगहों पर चल रही इस छापेमारी के दौरान व्यवसायी राजेश बंसल के आवास से कथित तौर पर कई लाख नकद बरामद किए गए हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बरामद रकम के स्रोत को लेकर व्यवसायी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

जांच के दौरान दोपहर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के अधिकारी भी बस्तों के साथ मौके पर पहुंचे। इससे पहले सुबह करीब साढ़े छह बजे ईडी की तीन गाड़ियां कोलकाता से पश्चिम बर्दवान के जामुड़िया पहुंचीं और जामुड़िया बाजार से सटे पंजाबी मोड़ इलाके में व्यवसायी रमेश के घर पर तलाशी शुरू की गई।

ईडी की कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। व्यवसायी राजेश बंसल के दोनों पुत्र सुमित बंसल और अमित बंसल के आवासों पर भी तलाशी ली गई। हालांकि वहां से कौन-कौन से दस्तावेज या सबूत मिले हैं, इस बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, जामुड़िया के पंजाबी मोड़ क्षेत्र में एक हार्डवेयर की दुकान और एक गोदाम पर भी ईडी ने छापा मारा। इसके साथ ही जामुड़िया हाटतला इलाका स्थित ह्यबंसल हार्डवेयरह्व नामक दुकान में भी तलाशी अभियान जारी है। इसी क्रम में, बुदबुद थाने के ओसी मनोरंजन मंडल के दुर्गापुर सिटी सेंटर स्थित आवास पर भी जांच एजेंसी ने छापा मारा और उनसे पूछताछ की जा रही है।

एक नजर

गैस जलाने के दौरान लगी आग, महिला गंभीर रूप से हुई घायल, इलाज के दौरान हो गई मौत

बड़कागांव : बादम गांव निवासी मिथिलेश ठाकुर की पत्नी 32 वर्षीय उषा देवी की गैस से झूलस जाने के कारण इलाज के दौरान रांची हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि 29 जनवरी को उषा खाना बनाने के लिए गैस चूल्हे का लाइटर जलाई और किचन में गैस खुला रहने के कारण आग लग गई। जिसके कारण उषा देवी बुरी तरह झुलस गई थी। घर में मौजूद सदस्यों ने आग बुझाने का प्रयास किया और उन्हे हजारीबाग अस्पताल ले जाया गया,जहां से उसे तुरंत रांची अस्पताल देवकमल ले जाया गया जहां पर उनका इलाज चल रहा था। 2 फरवरी संध्या 4:30 बजे के बीच दम तोड़ दी। उषा अपने पीछे पति, दो छोटे बच्चे पुत्र साहिल 13 वर्ष , बेटी सालवी कुमारी 6 वर्ष समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई। अग्नि संस्कार बादम के बदमाही नदी में 3 फरवरी को किया गया ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सेवा सप्ताह पर चलाया स्वच्छता अभियान

बरही : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सेवा सप्ताह पर स्वच्छता अभियान चलाया। संघ के शिवाजी शाखा बरही के स्वयंसेवकों ने आंबेडकर नगर बाराटांड़ में बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव परिसर क साफ सफाई करते हुए कहा कि बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर विभिन्न विषयों के ज्ञाता थे। अपने देश के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ संविधान का निर्माण किया जिसमें सबको न्याय और समानता दिलायी। भेदभाव मिटाकर उन्होंने समाज को एकजुट करने का काम किया। स्वच्छता अभियान में विहिप के सहमंत्री गुरुदेव गुप्ता,पिंटू चंद्रवंशी,दीपेश ठाकुर,कृष्णा यादव, संजय रविदास समेत अनेक लोग शामिल थे।

पुलिस ने 250 किलोग्राम जावा महुआ और अवैध शराब की भट्ठियां को किया नष्ट

बरही : आगामी नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बरही पुलिस ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मंगलवार को अहले सुबह पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार के नेतृत्व में बरही थाना की सशस्त्र पुलिस बल ने पडरिया गांव में छापेमारी कर करीब 250 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया तथा मौके पर संचालित अवैध शराब की भट्ठी को ध्वस्त कर दिया। छापेमारी के दौरान गांव से बाहर क्षेत्र में संग्रहित जावा महुआ को भी पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव को देखते हुए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों को तत्काल अपना धंधा बंद करने की हिदायत दी, अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभावि में अगस्त्य फाउंडेशन के अध्यक्ष का हुआ व्याख्यान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के स्वामी विवेकानंद सभागार में मंगलवार को "द 4C स्पार्कः इंजीनियरिंग अ लाइफ ऑफ इंपैक्ट" विषय पर अगस्त्य फाऊंडेशन के अध्यक्ष रामजी राघवन का व्याख्यान आयोजित हुआ। पीएम उषा प्रोजेक्ट मेरू के तहत इस व्याख्यान का आयोजन किया गया राघवन ने बताया कि किसी भी डिग्री, प्रयोगशाला या करियर से पहले एक चिंगारी होती है। जिज्ञासा, सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और संवेदनशीलता की चिंगारी। यही 'उ' से बने अंग्रेजी के चार शब्द है। इससे न केवल सफल पेशेवरों, बल्कि जिम्मेदार और नवाचारी नागरिकों का निर्माण करते हैं। रामजी राघवन एक प्रख्यात सामाजिक नवप्रवर्तक एवं अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन के संस्थापक-अध्यक्ष हैं। उन्होंने आगे बताया कि अगस्त्य फाउंडेशन ने मोबाइल साइंस लैब और रचनात्मक शिक्षण केंद्रों के माध्यम से देशभर में 3 करोड़ से अधिक सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों और 3 लाख से अधिक शिक्षकों को लाभान्वित किया है। रामजी राघवन ने '4उ' की अवधारणा से अवगत कराते हुए भारत की अगली नवाचार यात्रा के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। हुडको के निदेशक, झारखंड सरकार में पूर्व मंत्री तथा पूर्व सांसद एवं विभावि से प्राध्यापक के पद से सेवानिवृत हुए डॉ रविंद्र राय बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम को सुशोभित किए। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के मूल तत्व को समझते हुए पूर्णता को प्राप्त करना चाहिए। जब पूरे मन से कोशिश होती है तभी संतुष्टि मिलती है। डॉ रविंद्र राय ने कहा जीवन एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को परमात्मा का दिया हुआ समझे और इसका सफलतापूर्वक सामना करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए रामजी राघवन जैसे विशिष्ट व्यक्तियों का विश्वविद्यालय प्रांगण में आगमन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह सतत इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने के पीछे दृढ़ संकल्पित हैं। बताया कि उनका उद्देश्य है कि वैश्विक स्तर पर जो कार्य हो रहे हैं उससे विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शिक्षक रूबरू हों। ऐसे वक्ताओं को सुनने से देश के लिए कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी और उसी अनुरूप अपने जीवन में बदलाव लाएंगे। कार्यक्रम का संचालन यूसेट के प्राध्यापक तथा मेरू के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रमों के संयोजक डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर कुलाधिपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय के पूर्व अभिषद सदस्य सांवरमल अग्रवाल के अलावे विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं यूसेट, मैनेजमेंट तथा अन्य विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

"मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास"को लेकर बीडीओ ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मनरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025 - 26 में संचालित "मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास" अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने तथा आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर बरही प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में प्रमुख मनोज रजक की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, जिप प्रतिनिधि गणेश यादव, समेत सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक शामिल हुए। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों तथा लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने पंचायत के सभी मुखिया, एवं पंचायत सचिवों को निर्देश दिया कि मनरेगा एवं आवास योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही कहा कि "मनरेगा का विश्वास, रोजगार का विकास" अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हुए आधारभूत संरचना एवं स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है। उन्होंने मजदूरों को 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने, सक्रिय मजदूरों का शिविर के माध्यम से ई-केवाईसी कराने तथा वंचित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें मनरेगा योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया। प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसको लेकर उन्होंने कार्यों के क्रियान्वन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

अंचल स्तरीय सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन, बिहारी पदमा को पहला एवं कर्वेकला हजारीबाग को मिला दूसरा स्थान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : एकल अभियान श्रीहरि कथा समिति की ओर से सोमवार को अंचल स्तरीय सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकल अभियान हजारीबाग अंचल अध्यक्ष भरत यादव एवं संचालन एकल अभियान हजारीबाग अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति एवं अभियान प्रमुख विनोद कुमार ने की। मौके पर पूरे हजारीबाग अंचल से संच स्तरीय सत्संग प्रतियोगिता में चयनित सत्संग मंडली के बीच सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 16 टीमों ने हिस्सा लिया। सभी ने एक से बढ़कर एक भजन कीर्तन गीत संगीत की प्रस्तुति दी। सभी 16 टीम के द्वारा प्रस्तुत भजन, सत्संग का मूल्यांकन निर्णायक टीम के द्वारा किया गया। निर्णायक की भूमिका अंचल अध्यक्ष भरत यादव, श्रीहरि कथा समिति के अध्यक्ष बिपिन बिहारी पांडेय, उतर झारखंड संभाग के ब्यास मनोज कुमार, महिला प्रभारी डॉ संगीता चौधरी ने निभाई। निर्णायक मंडली के द्वारा घोषित परिणाम में पदमा संच के बिहारी सत्संग मंडली को प्रथम स्थान, हजारीबाग कर्वेकला को द्वितीय स्थान तथा पदमा सरैया सत्संग मंडली को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ चौथे स्थान पर बरही संच के खोड़ाहार एवं पांचवे स्थान पर चौपारण के नगवा सत्संग मंडली रही। पदमा परतन की टीम छठे स्थान पर रही। टॉप थ्री सहित सभी छह सत्संग मंडली को एकल अभियान की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा गुप्ता परिवार की ओर से शकुंतला देवी, कृष्णा गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं उसके पूरे परिवार की ओर से सभी प्रतिभागियों को अंगवस्त्र, एवं हनुमान चालीसा पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था अंचल सचिव हरि कथा समिति कृष्णा गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंचल अध्यक्ष श्रीहरि कथा समिति बिपिन बिहारी पांडेय, श्रीहरि कथा समिति सचिव कृष्णा गुप्ता, माधुरी देवी, माता शंकुतला देवी का योगदान रहा।

बड़कागांव हाई स्कूल के 1996 बैच का भव्य एलुमनाई सह वनभोज कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव हाई स्कूल, हजारीबाग के 1996 बैच के पूर्व छात्र-छात्राओं द्वारा एक भव्य एलुमनाई सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन बुढ़वा महादेव डुमारो में किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए 1996 बैच के पूर्व छात्रों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ पटना आस्था रिब्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. उमाशंकर सिन्हा, मुखिया रंजीत कुमार तथा 1996 बैच के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर झामुमो नेता संजय सिंह एवं डॉ. उमाशंकर सिन्हा ने 1996 बैच के सभी साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बैच कई महान व्यक्तित्वों को समाज को देने वाला गौरवशाली बैच रहा है। संजीव सिंह ने सभी सहपाठियों को इकट्ठा करने में अहम भूमिका निभाई एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी पूर्व छात्रों ने वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया, जीवन के अनुभवों, सुख-दुख और संघर्षों को साझा किया। यह मिलन सभी के लिए भावुक, आत्मीय और अत्यंत यादगार रहा। पूरे आयोजन के दौरान माहौल सौहार्द, अपनत्व और भावनाओं से सराबोर रहा। शाम के समय सभी प्रतिभागियों ने भावुक विदाई के साथ एक-दूसरे से पुनः मिलने का संकल्प लिया। मौके पर मुख्य रूप से संजय सिंह ,डॉ उमाशंकर सिन्हा, संजीव सिंह, मनोज मंजीत, प्रकाश सोनी, देवनारायण देव, अजीत भारती ,संजय बर्मा,सत्येंद्र कुमार, दुर्गेश कुमार, मुकेश वर्मा, रोहित राज, तारिणी प्रसाद, आलोक कुमार, रामाधार कुमार, कुलदीप कुमार ,इंद्रभूषण कुमार, अभिषेक कुमार ,संतोष वर्मा,अरविंद भार्गव, संतोष कुमार राम अनुज कुमार गोप के अलावा अन्य उपस्थित थे।

एसडीओ ने विभिन्न परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षा 2026 का पहला दिन कड़ी सुरक्षा और सख्त निगरानी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने को लेकर परीक्षा केंद्रों पर छात्रों की गहन जांच-पड़ताल के बाद ही प्रवेश दिया गया।

अनावश्यक भीड़ की अनुमति नहीं

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए सभी केंद्रों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा, दंडाधिकारी भी लगातार नहीं निगरानी करते दिखे। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को भी हटाया गया, जिससे शांतिपूर्ण माहौल बना रहे।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

इसी क्रम में बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरा, शौचालय और पीने का पानी आदि का भी जायजा लिया। साथ ही उन्होंने केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों और शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वच्छ और कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराई जाए। वहीं उन्होंने किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त ना करने की बात कही।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का ऐलान, घर माफी नहीं कराने का लिया निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना की नितियों के विरोध में ग्रामीणों ने एकजुट होकर बड़ा फैसला लिया है। पुनर्वास, विस्थापन कार्ड, कट ऑफ डेट एवं मुआवजे की ठोस नीति तय होने तक ग्रामीणों ने अपने घरों की माफी सर्वेक्षण नहीं कराने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सोमवार को डाडी कला पंचायत के ग्राम डांडी कला, कनकीडाडी एवं चेपा खुर्द के सैकड़ो ग्रामीणों ने पंचायत भवन स्थित खेल मैदान में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य फयूम अंसारी ने की जबकि संचालन रंजीत महतो ने किया। बैठक में मौजूद ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि जब तक एनटीपीसी प्रबंधन और प्रशासन आपसी सहमति से विस्थापितों के हित में ठोस निर्णय नहीं लेते तब तक तीनों गांवों में एक भी घर की माफी नहीं होने दी जाएगी। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उचित मुआवजा, रोजगार, विस्थापितों के लिए पक्के घर तथा पूरे गांव को एक स्थान पर बसाने की मांगें पूरी होना अनिवार्य हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कट ऑफ डेट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे अभी उपयुक्त कार्यालय हजारीबाग में विचाराधीन है। ऐसे में अंतिम निर्णय आने से पहले किसी भी प्रकार की वार्ता या सर्वेक्षण सभी कर नहीं किया जाएगा। बैठक में ग्रामीणों ने एनटीपीसी के तथा तथाकथित विकास कार्यों पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि एनटीपीसी का विकास केवल कागजों तक सीमित है जबकि जमीन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है परियोजना शुरू हुए लगभग 10 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन विस्थापित परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। पेयजल, बिजली सड़क स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी जरूरतें आज भी पूरी नहीं हो सकती है। डांडी कला पंचायत के मुखिया इलियास अंसारी ने कहा कि कोयला खनन से फैल रहे धूल प्रदूषण और जहरीली गैसों के कारण बच्चों महिलाओं और बुजुर्गो में गंभीर बीमारियां बढ़ रही है। बावजूद इसके ना तो नियमित पानी का छिड़काव हो रहा है और ना ही हरित पट्टी का विकास किया गया है। स्वास्थ्य शिविर में केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुर्तिया व दुर्गम इलाकों में विशेष अभियान, 10 एकड़ अफीम खेती ध्वस्त

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस और वन विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को थाना अंतर्गत ग्राम मुर्तिया व आसपास के दुर्गम इलाकों में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान करीब 10 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से लगी अफीम की खेती को चिन्हित कर मौके पर ही पूरी फसल को नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से 4 डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। प्रशासन द्वारा अवैध अफीम की खेती में संलिप्त लोगों की पहचान और नाम-पता का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में आगे की कार्रवाई लगातार जारी है। इस संयुक्त अभियान में एसडीपीओ बरही अजीत कुमार बिमल, पुलिस निरीक्षक बरही अंचल चंद्रशेखर प्रसाद, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी सहित एसआई सुबिन्दर राम, एसआई सरवन कुमार पासवान, एएसआई बदल महतो, एएसआई कमरुद्दीन, सशस्त्र बल तथा वनपाल शामिल रहे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ड्रोन के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों की निगरानी कर अवैध खेती को चिन्हित किया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार लगातार सख्त अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

बेला में हनुमान एवं शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर कलशयात्रा का हुआ आयोजन

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत कोल्हू आकला पंचायत के बेला में आयोजित श्री श्री 1008 हनुमान प्राण प्रतिष्ठा सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के तहत जल यात्रा कार्यक्रम का भव्य और श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जल यात्रा कार्यक्रम में बतौर अतिथि कई जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला परिषद के उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि मनीलाल यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि गणेश यादव, पूर्व जिप प्रतिनिधि मो कैयूम, जिला परिषद सदस्य गुरुदेव गुप्ता तथा पंचायत के मुखिया मंगलदेव यादव शामिल हुए। इसके अलावा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि टेकलाल, भाजपा नेता डीलो पासवान, केदार यादव, किशोर जी, रघुबीर यादव, सुधाकर यादव, युवा नेता सनी यादव, मुकेश यादव, नेता कृष्ण यादव, कांग्रेस नेत्री पूनम यादव, स्थानीय पंचायत समिति सदस्य प्रभु यादव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि विनोद यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों द्वारा विधिवत कलश प्रदान कर की गई। इसके पश्चात यज्ञ समिति की ओर से सभी अतिथियों को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान पूरे गांव में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। यज्ञ समिति के अध्यक्ष दिनेश राम एवं गोविंद राम सहित समिति के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को सफल बनाने के लिए अतिथियों एवं ग्रामीणों ने यज्ञ समिति का आभार व्यक्त करते हुए बहुत-बहुत धन्यवाद एवं कोटि-कोटि प्रणाम किया।

चौपारण में मैट्रिक परीक्षा शांतिपूर्ण कराने को लेकर प्रशासन का औचक निरीक्षण

चौपारण : प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में चल रही मीट्रिक की परीक्षा व्यवस्था की जांच के लिए एसडीओ जोहन टुडू, डीएसपी अजीत कुमार बिमल एवं इंस्पेक्टर चंद्रशेखर प्रसाद ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात सुरक्षा बल, प्रवेश व्यवस्था, परीक्षार्थियों की जांच प्रक्रिया तथा कदाचार रोकने के लिए किए गए इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा का संचालन पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में नकल या कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखने, समय पर परीक्षा संचालन तथा सभी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें। निरीक्षण के बाद प्रशासन ने परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी बनाए रखने की बात कही।

ब्रह्मा विद्या विहंगम योग ने साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का किया आयोजन

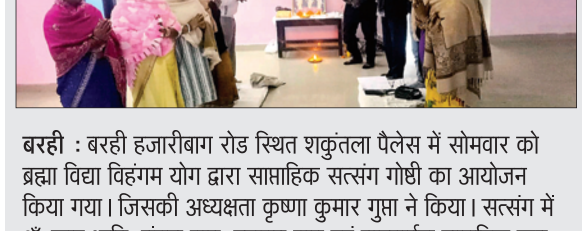

बरही : बरही हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में सोमवार को ब्रह्मा विद्या विहंगम योग द्वारा साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। सत्संग में ॐ कार ध्वनि, मंगल गान, स्वागत गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया। जबकि उद्घोष कैलाश प्रसाद केशरी, ज्ञान गुदडी अनमोल राणा, स्वर्वेद पाठ सुनीता केशरी, भजन समुंद्री देवी, ममता देवी, कैलाश प्रसाद केशरी, भारती देवी एवं अनिता देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सत्संग में मौजूद लोगों को कृष्णा कु० गुप्ता ने ब्रह्मा विद्या विहंगम योग के उद्देश्य को जीवन के आत्मसात करने की बात कही। मौके पर ममता देवी, महेश प्रसाद, रविन्द्र सिंह एवं सोनू कुमार समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

रांची नगर निगम चुनावः मेयर पद के लिए रमा खलखो ने दाखिल किया नामांकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रमा खलखो ने मंगलवार को रांची नगर निगम चुनाव के तहत मेयर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की विशेष रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने रमा खलखो के पक्ष में चुनावी समर्थन का ऐलान किया। नामांकन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनाव में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रमा खलखो एक अनुभवी, कर्मठ और जनभावनाओं से गहराई से जुड़ी हुई नेता हैं,

▸ मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जताया समर्थन, बोलीं- अनुभवी और जनभावनाओं से जुड़ी नेता हैं रमा खलखो

जिन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल में विकास को प्राथमिकता देते हुए अपनी कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता को सफलतापूर्वक साबित किया है। उन्होंने कहा कि रमा खलखो ने हमेशा आम जनता की जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से समझा और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर उठाया है। मंत्री ने कहा कि रमा खलखो का व्यवहार आत्मीय है और वे आम लोगों के बीच सहज रूप से जुड़ी रहती हैं। रांची शहर के समग्र विकास, बेहतर नागरिक

सुविधाओं और पारदर्शी नगर प्रशासन के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध रही हैं। उनके नेतृत्व में रांची नगर निगम को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड महिला कांग्रेस सहित कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता और समर्थक पूरी एकजुटता के साथ रमा खलखो की जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। मंत्री ने विश्वास जताया कि जनता का भरपूर समर्थन और आशीर्वाद रमा खलखो को भारी मतों से विजयी बनाएगा। नामांकन के अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और चुनावी माहौल देखने को मिला।

सरकार किसानों से धान खरीद में कर रही भ्रष्टाचार : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में सरकारी स्तर पर धान खरीदी में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर हमला बोला है। बाबूलाल मरांडी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि हेमंत सरकार किसानों को लूट रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री देश-विदेश के दौरे पर रहते हैं और कहते हैं कि उनकी सरकार गांव से चलती है। लेकिन हकीकत यह है कि गांव की रीढ़–किसान–आज परेशान, लाचार और विवश हैं। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि विधानसभा चुनाव में हेमंत सरकार ने धान खरीद के लिए 3,200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का वादा किया था। लेकिन बाद में 2,400 रुपये की घोषणा की गई, जिसमें 2,300 रुपये केंद्र सरकार से और केवल 100 रुपये राज्य सरकार की भागीदारी है। मरांडी ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस वर्ष 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य तय किया, लेकिन दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद केवल 19,80,216 क्विंटल ही खरीदे गए। राज्य में 2,79,000 किसान पंजीकृत हैं, लेकिन मात्र 35,547 किसानों से ही धान खरीदी गई। उन्होंने कहा कि सरकार और संबंधित पदाधिकारी बिचौलियों और दलालों के माध्यम से किसानों को मजबूर कर रहे हैं। किसान को 1,500 रुपये प्रति क्विंटल पर धान बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि लक्ष्य पूरा करने के लिए बिचौलियों से ही खरीद की जाती है। इसके कारण निर्धारित एमएसपी का लाभ सीधे बिचौलियों के खाते में जाएगा। बाबूलाल ने यह भी कहा कि राज्य में इस प्रकार का बड़े पैमाने पर सिंडिकेट सक्रिय है, जो किसानों को लूटने का काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में निवेश और ग्रीन स्टील युग का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा के बाद झारखण्ड में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में निवेश और ग्रीन स्टील युग का शुभारंभ हो चुका है। टाटा स्टील और नवीन जिंदल समूह के निवेश प्रस्ताव समेत स्टील और पावर सेक्टर, इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग, उन्नत कोटिंग और फिनिश्ड स्टील, ऑटोमोबाइल उद्योग और सीमेंट उद्योग के लिए विभिन्न निवेशकों ने झारखण्ड में निवेश के प्रति रुचि दिखाते हुए कुल 1 लाख 27 हजार करोड़ के निवेश का आशय पत्र उद्योग विभाग झारखण्ड सरकार को सौंपा गया है। इसमें नवीन जिंदल समूह का 70 हजार करोड़ तथा टाटा स्टील का 11 हजार करोड़ का निवेश भी प्रस्तावित है। झारखण्ड सरकार और प्रमुख औद्योगिक समूहों जैसे टाटा स्टील एवं नवीन जिंदल समूह के बीच हुए ऐतिहासिक समझौतों के अतिरिक्त उड़ीसा एलॉय स्टील, रुंगटा माइन्स, अम्लगाम स्टील एंड पॉवर, बीएमडब्लू इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जय सस्पेंशन लिमिटेड, अंबुजा सीमेंट लिमिटेड से प्राप्त आशय पत्र के बाद राज्य एक नए औद्योगिक युग के द्वार पर खड़ा है। 1 लाख 27 हजार करोड़ से अधिक का निवेश प्रस्ताव झारखण्ड को ना सिर्फ स्टील हब बनाएगा, बल्कि ग्रीन एनर्जी और अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित भी करेगा। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य जीरो कार्बन लक्ष्यों की प्राप्ति और उच्च-गुणवत्ता वाले फिनिश्ड उत्पादों का निर्माण है। राज्य अब केवल कच्चे माल का स्रोत नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से दुनिया को क्लीन स्टील और स्मार्ट ऑटो-कंपोनेंट्स की आपूर्ति करने के लिए दुनिया के सामने तैयार है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में संतुलित विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत लातेहार में स्टील और पावर सेक्टर के क्षेत्र में उड़ीसा स्टील अलॉय लिमिटेड 25,000 करोड़ का निवेश से संबंधित आशय पत्र प्रेषित किया है। इसके तहत ब्लास्ट फर्नेस और डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग के लिए सरायकेला खरसावाँ में रुंगटा समूह 10,000 करोड़ के निवेश से स्टील, पावर और सीमेंट प्लांट का निर्माण करेगा। इसके अतिरिक्त रुंगटा माइन्स लिमिटेड द्वारा ?300 करोड़ का अलग निवेश भी प्रस्तावित है।

बाबूलाल मरांडी हास्यपद बयानबाजी से बचें, पहले केंद्र से किसानों का हक दिलायें : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धान क्रय और न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के बयानों पर विभागीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मरांडी के बयान तथ्यहीन, भ्रामक और राजनीतिक हताशा से प्रेरित हैं। डॉ. अंसारी ने स्पष्ट किया कि विभागीय मंत्री होने के नाते धान क्रय का लक्ष्य उन्होंने स्वयं तय किया है। पिछले वर्ष भी जुलाई तक धान क्रय की प्रक्रिया चली थी और इस वर्ष भी अभी पर्याप्त समय है। राज्य सरकार तय लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। कई जिलों में धान क्रय की स्थिति संतोषजनक है। गढ़वा जिले का ज़िक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि वहाँ धान क्रय बेहतर रहा है, जहां बाबूलाल मरांडी की बहू

स्वयं डीएसओ के पद पर कार्यरत हैं। यदि उन्हें संदेह है तो वे वहीं से वास्तविक स्थिति की जानकारी ले सकते हैं। एमएसपी के मुद्दे पर डॉ. अंसारी ने कहा कि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने एमएसपी मद में झारखंड को राशि देना बंद कर दिया है। इसके बावजूद राज्य सरकार अपने संसाधनों से किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। जब तक राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी निभा रही है, झारखंड का किसान सुरक्षित है। उन्होंने मरांडी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें किसानों की सच में चिंता है तो दिल्ली जाकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से झारखंड के किसानों का हक मांगें और हिम्मत है तो केंद्र सरकार के खिलाफ भी प्रेस कॉन्फ्रेंस करें। डॉ. अंसारी ने कहा कि यह राज्य सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि हर जनप्रतिनिधि का है। किसानों के अधिकार की लड़ाई राजनीति से ऊपर उठकर लड़ी जानी चाहिए। मैं किसान का बेटा हूँ और किसान, खेत व फसल की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ, उन्होंने कहा।

शब-ए-बारात पर मुस्लिम समुदाय ने की इबादत, कब्रगाहों में पढ़ी फातिहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी शब-ए-बारात पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने पूर्वजों की कब्रगाह पर मोमबत्ती और अगरबत्ती जलाकर फातिहा पढ़ी एवं दुआएं भी पढ़ी। समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और घरों में पूरी रात इबादत की। इबादत की रात में परवरदिगार से अपने और पूर्वजों के गुनाहों की मांगी माफी।शब-ए-बरात पर दोपहर बाद से ही मुस्लिम इलाकों की रौनक देखते बन रही थी। घरों को झालर आदि से सजाया गया, युवाओं ने आतिशबाजियां भी की। इधर मस्जिद के मौलाना ने बताया कि पिछले साल किए गए कर्मों का लेखा-जोखा तैयार करने एवं आने वाले साल की तकदीर तय करने वाली इस रात को शब-ए-बारात कहा जाता है। पूरी रात मस्जिदों में चहल पहल रही। सिल्ली आसपास के क्षेत्रों में पूरी रात लोग कुरान की तिलावत करते रहे। मौलाना ने शब ए बारात का महत्व बताते हुए कहा की खुदा पाक के करम की दौलत तो हर रात बरसती है लेकिन इस रात और ज्यादा बरसती है। खुदा पाक की रहमतों और इनायतों का उतरना इस रात ज्यादा होता है। सभी लोग कब्रिस्तान जाकर अपने रिश्तेदारों के लिए मगफिरत की दुआ करते है। छोटामुरी जामा मस्जिद के सचिव जनाब अब्दुल हमीद, सदर जनाब मोहम्मद जाफर, शेख अशरफ अली, एजाज अंसारी, सुलमजुड़ी के सचिव साहेब और छोटामुरी बड़ी मस्जिद के सचिव जनाब मजिद आलम ने त्योहार को मनाने में काफी सहयोग किया ।

झारखंड के 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' में बोर्ड परीक्षा की तैयारी तेज, सचिव उमाशंकर सिंह ने दिए आवश्यक निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य में संचालित सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी और पीएमश्री विद्यालयों में बजटीय गतिविधियों के क्रियान्वयन को लेकर एक अहम विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा परिणाम और योजनाओं के प्रभावी अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान सचिव उमाशंकर सिंह ने आगामी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) परीक्षाओं की तैयारियों की गहन समीक्षा की। साथ ही उन्होंने यह निर्देश दिया कि छात्रों की तैयारी इस तरह कराई जाए कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल हों। सचिव ने स्पष्ट लक्ष्य तय करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में एक भी छात्र फेल न हो, इसके लिए सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में निरंतर और प्रभावी रेमिडियल कक्षाएं अनिवार्य रूप से संचालित की जाएं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को नवोन्मेषी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि जिन विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहेगा, उनके प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी सीबीएसई के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सचिव उमाशंकर सिंह ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 17 फरवरी से पहले सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का कोई भी शिक्षक गैर-शैक्षणिक कार्यों में शामिल नहीं होगा। बैठक के दौरान उन्होंने सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को राज्य के 363 पीएमश्री विद्यालयों की संतुष्टि के लिए निर्धारित 21 संकेतकों का अनिवार्य रूप से स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एक सप्ताह के भीतर राज्यस्तरीय टीम पीएमश्री विद्यालयों का भ्रमण करेगी। इसके अलावा फरवरी के अंतिम सप्ताह या मार्च माह में केंद्रीय टीम की ओर से भी पीएमश्री विद्यालयों का निरीक्षण प्रस्तावित है। बैठक में यह भी बताया गया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से पीएमश्री विद्यालयों में संचालित 181 गतिविधियों के प्रभावी अनुपालन के लिए प्रधानाचार्यों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सचिव ने सभी पीएमश्री विद्यालयों को निर्देश दिया कि वे 28 फरवरी तक 21 संकेतकों के अनुपालन में न्यूनतम 75 प्रतिशत से अधिक स्कोर सुनिश्चित करें। पीएमश्री विद्यालयों में बजटीय गतिविधियों के क्रियान्वयन में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने खूंटी जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी और सहायक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद तिग्गा, राज्य पीएमयू सेल के पदाधिकारी, सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक व कनीय अभियंता, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के प्रधानाचार्य तथा विद्यालय प्रबंधक उपस्थित थे।

एक नजर

केंद्रीय मंत्री से मिले सुदेश, मेगालिथ को विश्व धरोहर घोषित करने पर की चर्चा

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जनजातीय कल्याण मंत्री जुएल उरांव से मुलाकात की और सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सोनाहातु प्रखंड में चोकाहातु स्थित मेगालिथ साइट को यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में जल्द घोषित करने के संबंध में चर्चा किया। मौके पर सुदेश ने कहा कि मेगालिथ साइट का संरक्षण करने, पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चोकाहातु भारत का सबसे बड़ा महापाषाण स्थल है। मुंडा जनजाति के हड़गड़ी रस्म के लिए इस्तेमाल होने वाला यह स्थल हजारों वर्ष प्राचीन है। यह स्थान शोक मनाने का स्थान कहलाता है, जहां ग्रेनाइट पत्थरों के नीचे मृतक की अस्थियां दफनाई जाती हैं। सुदेश ने झारखंड में आदिवासी कल्याण से संबंधित योजनाओं के संबंध में भी केंद्रीय मंत्री से चर्चा की और ज्यादा से ज्यादा राशि उपलब्ध कराने का आग्रह केंद्रीय मंत्री से किया। उन्होंने बुंडू में स्टेच्यू ऑफ उलगुलान स्मारक विकसित करने के संबंध में भी चर्चा किया और इसमें केंद्रीय मंत्री को सहयोग करने का आग्रह किया।

रिम्स से बाल कैदी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

रांची : राजधानी रांची स्थित राजेन्द्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान (रिम्स) अस्पताल से एक बाल कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है। पेट दर्द की शिकायत के बाद दो दिन पहले बाल सुधार गृह प्रशासन की ओर से उसे रिम्स के ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार अहले सुबह वह सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। फरार बाल कैदी को रांची के डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह में रखा गया था। पुलिस के मुताबिक, बाल कैदी रांची के खलारी थाना क्षेत्र का निवासी है और चोरी के एक मामले में कुछ दिनों से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। चार दिन पहले उसने स्वयं आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद पुलिस ने उसे निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेज दिया था। स्वास्थ्य बिगड़ने पर बाल कैदी को रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी दौरान मंगलवार तड़के उसने वॉशरूम जाने का बहाना बनाकर सुरक्षा व्यवस्था में चूक का फायदा उठाया और फरार हो गया। रांची के सदर पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) संजीव बेसरा ने बताया कि बाल कैदी के फरार होने की सूचना मिलते ही मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। अस्पताल परिसर और आसपास के इलाकों में तलाश तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि चोरी के मामले में निरुद्ध बाल कैदी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। घटना के बाद रिम्स अस्पताल और बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

अपना आश्रम में निराश्रितों को कराया गया भोजन

रांची : सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम पुंदाग (मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम परिसर) में मंगलवार को दिव्यांग और निराश्रित लोगों के लिए मंगलवार को अन्नपूर्णा सेवा (भोजन) का आयोजन किया गया। यह सेवा विशाल मित्तल और उनके परिवार के सौजन्य से स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में संपन्न हुई। आश्रम में रहनेवाले 42 मंदबुद्धि और निराश्रितों के साथ उनकी सेवा में लगे सेवादारों को विभिन्न व्यंजनों से युक्त भोजन कराया गया। सभी निराश्रितों ने सेवा के लिए आभार व्यक्त करते हुए ट्रस्ट को अपना आशीर्वाद दिया।

संक्षिप्त खबरें

लोकभवन पार्क में आम लोगों ने रंग बिरंगे फूलों का किया दीदार

रांची : लोकभवन पार्क में राज्यभर के लोगों ने मंगलवार को दूसरे दिन रंग-बिरंगे फूलों का दीदार किया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल संतोष गंगवार के निर्देश पर आम लोगों के लिए लोक भवन उद्यान को दो फरवरी से आठ फरवरी 2026 तक भ्रमण के लिए खोलने के निर्णय के बाद हर दिन यहां सैकडों लोग पहुंच रहे हैं। उद्यान खुलने के दूसरे ही दिन बड़ी संख्या में लोगों ने लोक भवन उद्यान की सुंदरता और सुव्यवस्थित हरियाली का आनंद उठाया। मंगलवार को 4,813 से अधिक लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण किया। इस दौरान लोगों में इस ऐतिहासिक और विशिष्ट परिसर को देखने की उत्सुकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। खूंटी से घूमने आए कृष्णाा सिंह, रविकांत, प्रदीप कुमार महतो, रांची निवासी राजन हेमब्रम सहित अन्य लोगों ने बताया कि यहां आकर काफी सुकूल मिलता है। लोगों ने मस्ती के मूड में कहा कि काश लोकभवन का यह पार्क हमेशा हमेशा के लिए खुला रहता तो बात ही कुछ और होती। रामगढ से घूमने आए लोकेश महतो और उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि यहां के रंग बिरंगे फूलों को देखकर काफी अच्छा लगता है। लोकभवन खुलने के दौरान हर परिवार को यहां आकर जरूर घुमना चाहिए। जानकारी के अनुसार लोकभवन उद्यान का भ्रमण समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इच्छुक नागरिकों को लोक भवन के गेट संख्या–2 से सुरक्षा जांच के बाद प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। उद्यान में प्रवेश के लिए अपराह्न एक बजे तक आगमन अनिवार्य किया गया है, ताकि निर्धारित समय के भीतर सभी आगंतुकों को सुचारू रूप से भ्रमण कराया जा सके।

महाशिवरात्रि को लेकर बैठक संपन्न

सिल्ली : आगामी महाशिवरात्रि पर्व को भव्य एवं सुव्यवस्थित तरीके से मनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कोचोपहाड़ शिव मंदिर प्रांगण में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अजय महतो ने की। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु व सक्रिय सदस्य शामिल हुए। बैठक के दौरान महाशिवरात्रि के अवसर पर होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों, पूजा–अर्चना एवं व्यवस्था संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर आयोजन समिति का गठन भी किया गया। समिति में नानक लाल महतो एवं रमन रंजन महतो को संरक्षक, त्रिलोचन महतो को अध्यक्ष, अशोक कुमार महतो को उपाध्यक्ष, रासरंजन महतो को सचिव, जतित कुमार महतो को सह सचिव, बबलू कुमार महतो को कोषाध्यक्ष तथा तपन कुमार महतो को उपकोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही 15 अन्य सक्रिय सदस्यों को समिति में शामिल किया गया। बैठक में कीनू राम महतो, बृजेश महतो, रमेश चंद्र महतो, संजीव महतो, दशरथ महतो, राजकुमार महतो, अजय किशोर, गोराचंद, संदीप, अनूप, सुदर्शन सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उत्पाद सिपाही : दौड़ में सफल अभ्यर्थियों के वर्षों का इंतजार खत्म, 22 मार्च को होगी लिखित परीक्षा

रांची : बहुचर्चित, विवादित और लंबित उत्पाद सिपाही की लिखित परीक्षा का इंतजार खत्म हो गया है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने उत्पाद सिपाही की लिखित परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। 22 मार्च को राज्य के विभिन्न केंद्रों पर इसकी परीक्षा आयोजित की जाएगी। मालूम हो कि इस प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर लगभग एक लाख 40 हजार अभ्यर्थी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये अभ्यर्थी शारीरिक प्रतियोगिता परीक्षा में सफल हो चुके हैं। लेकिन लिखित परीक्षा नहीं होने से ये मानसिक रूप से परेशान थे। मालूम हो कि उत्पाद सिपाही के पद पर नियुक्ति के लिए जेएसएससी ने सबसे पहले 2019 में विज्ञापन निकाला। लेकिन बाद में इस विज्ञापन को कतिपय त्रुटियों के कारण रद्द कर दिया गया। फिर जेएसएससी ने जुलाई 2023 में नये सिरे से फॉर्म भरवाया। फॉर्म भरनेवाले लगभग साढ़े पांच लाख अभ्यर्थी दौड़ में शामिल हुए। सितंबर 2024 में आयोजित शारीरिक परीक्षा और दौड़ आयोजित की गयी। दौड़ में लगभग 20 युवकों की जान चली गयी। इसके लगभग 13 महीने बाद नवंबर 2025 में शारीरिक परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित किया गया। इसमें 1.40 लाख युवक सफल हुए। अब ये लिखित परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें से विज्ञापित कुल 582 पदों पर झारखंड के युवाओं की अंतिम रूप से नियुक्ति होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि जेएसएससी निर्धारित तिथि पर लिखित परीक्षा लेकर जल्द से जल्द अंतिम परीक्षाफल का प्रकाशन कर देगा।

भक्तों की भक्ति और उमंग : श्री श्याम ध्वजा निशान यात्रा का शानदार समापन

रांची: मंगलवार को श्री श्याम मित्र मंडल की ध्वजा निशान यात्रा आज राजस्थान के सीकर जिले स्थित रिंग्स से प्रारंभ होकर बाबा की नगरी खाटूधाम में निशान अर्पण के साथ संपन्न हुई। आज प्रात: 8 :00 बजे मण्डल के निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में श्री श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन से सभी श्याम प्रेमियों ने अपनी यात्रा प्रारंभ कि । रिंग्स स्थित निशान भवन में प्रात: कालीन ज्योत आरती संकल्प पूजन के साथ भजनों का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। रिंग्स निशान भवन में मंडल के कार्यकारिणी सदस्य स्नेह पोद्दार धर्मपत्नी स्नेहा पोद्दार ने बाबा श्री श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर फल प्रसाद मेवा का भोग लगाया। रिंग्स स्थित निशान भवन में सभी पूजन कार्य मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा प्रताप मोदी बालकृष्ण अग्रवाल राजीव केडिया वेद भूषण जैन अमित झुनझुनवाला अमित सरावगी अनिल नारनौली ने संपन्न करवाया। इसके बाद निशान यात्रा रिंग्स मोड़ से प्रारंभ हो करनी माता की ओर बढ़ दर्शन कर दोपहर का फलहार प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद करनी माता में धोक हाजरी लगाने के बाद श्याम प्रेमियों का दल झूमते नाचते गाते बाबा श्याम की नगरी खाटू की ओर बढ़ चली। रिंग्स के आगे खाटू का गांव गांव में वो बाबा रहता है चढ़ावा दे बाबा श्याम निशान म्हारो चढ़ावा दे। पैदल आस्या जी बाबा जी थारी खाटू नगरी पैदल आस्या जी से पूरा निशान पथ गूंज रहा था रात्रि 7 :00 बजे श्री श्याम मित्र मंडल का जथा खाटू स्थित तोरण द्वार पहुंचा।

एक नजर

जनता दरबार में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह के दिशा-निर्देशन में जिले के सभी प्रखंडों में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा किया गया, जिसमें विभिन्न पंचायतों से आए ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं। जनता दरबार के दौरान ग्रामीणों ने आवास, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा, भूमि विवाद, पेयजल, सड़क एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा एक-एक कर सभी शिकायतों की सुनवाई की गई। त्वरित समाधान योग्य मामलों का निष्पादन मौके पर ही किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया।

प्रथम दिन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई मैट्रिक व इंटर की परीक्षा

सिमडेगा : झारखंड अधिविध परिषद, रांची द्वारा आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के अंतर्गत दिनांक 03 फरवरी 2026 को आज प्रथम दिन में सिमडेगा जिला के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। आज के परीक्षा कार्यक्रम के तहत मैट्रिक परीक्षा में IT & Other Vocational विषय, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा में Vocational Subject की परीक्षा आयोजित की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिमडेगा मिथिलेश केरकेट्टा ने जानकारी देते हुए बताया कि मैट्रिक परीक्षा के लिए जिले में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आज की परीक्षा में 623 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, जिसमें से 612 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए जिले में कुल 05 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। आज आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 844 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिसमें से 836 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 08 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।

मजदूरों ने भरी हुंकार चार लेबर कोड वापस लेने की मांग

भुरकुंडा : चार लेबर कोड के विरोध में 12 फरवरी को आहूत देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के उद्देश्य से भुरकुंडा रिवर साइड स्थित शास्त्री पार्क दुर्गा मंडप में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मजदूर संगठनों ने केंद्र सरकार की श्रम नीतियों पर कड़ा विरोध जताया और हड़ताल को सफल बनाने के लिए रणनीति तय की। बैठक को एनसीओईए एवं सिंटू क्षेत्रीय कार्यालय भुरकुंडा रिवर साइड की ओर से संबोधित किया गया। इस दौरान जनरल सेक्रेटरी आरपी ने चारों लेबर कोड को मजदूर विरोधी बताते हुए कहा कि इससे श्रमिकों के अधिकारों पर सीधा हमला हो रहा है। उन्होंने सभी संगठनों और मजदूरों से 12 फरवरी की हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। वहीं क्षेत्रीय सचिव राम नरेश सिंह ने कहा कि देशव्यापी हड़ताल के माध्यम से सरकार को श्रमिकों की एकजुटता का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक लेबर कोड वापस नहीं लिए जाते, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में बड़ी संख्या में मजदूर नेता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया। मजदूर संगठनों का कहना है कि चार लेबर कोड श्रमिकों के अधिकारों पर हमला है और इसका विरोध किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की है कि लेबर कोड वापस लिया जाए और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा की जाए।

जनता जिसको योग्य समझेगी वही विजयी होगा : भूषण बाड़ा

शहर के विकास की नई दिशा तय करता है नगर परिषद चुनाव : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगर परिषद चुनाव को लेकर मंगलवार को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा तथा कांग्रेस महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा की मौजूदगी में समाजसेवी सेराफिनूस कुल्लू ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों से कई पार्षद प्रत्याशियों ने भी नामांकन दाखिल किया। पर्चा दाखिल करने से पूर्व सभी प्रत्याशियों और समर्थकों ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर चौक से आईटीडीए कार्यालय स्थित आरओ ऑफिस तक एक संयमित और अनुशासित रैली निकाली। निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए सभी लोग निर्वाचन अधिकारियों के निर्देशों के अनुरूप कड़ी आचार संहिता का पालन करते हुए कार्यालय पहुंचे। जहाँ सभी प्रत्याशियों ने क्रमवार अपना-अपना नामांकन प्रस्तुत किया। नामांकन के बाद विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण और प्रशासनिक निर्देशों के अनुरूप हो। जनता जिसको योग्य समझेगी, वही विजयी होगा। हमारा दायित्व केवल यह है कि चुनावी माहौल सौहार्दपूर्ण और सभी के लिए सुरक्षित बना रहे उन्होंने जिला प्रशासन के प्रबंधों की सराहना की और मतदाताओं से शांति एवं संयम के साथ मतदान प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की। जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि नामांकन का यह अवसर मात्र एक औपचारिकता नहीं, जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला क्षण है। हर प्रत्याशी को आचार संहिता का पूर्ण पालन करना चाहिए और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोपरि रखना चाहिए। नगर परिषद का चुनाव शहर के विकास की नई दिशा तय करता है। इसलिए प्रक्रिया जितनी स्वच्छ होगी, परिणाम उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को सकारात्मक बताया और कहा कि स्थानीय शासन में महिलाओं की भूमिका लगातार सशक्त हो रही है। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सेराफिनूस कुल्लू ने नामांकन के बाद कहा कि उनका राजनीतिक सफर छात्र जीवन से ही शुरू हुआ था। छात्र चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद वे नौकरी में गए। लेकिन सामाजिक सरोकारों से कभी दूर नहीं हुए। कैथलिक संघ से जुड़े रहने के दौरान उन्होंने समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाए रखा। आगे चलकर जनसेवक संघ के जिला अध्यक्ष के रूप में एवं झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ से जुड़कर कार्य करते हुए कर्मचारियों और आम लोगों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णायक कदम उठाए।

सचिव ने सिमडेगा मंडल कारा का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम ने मंगलवार को मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर के विभिन्न सेक्शन, वार्ड, रसोईघर सहित बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण की शुरूआत बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और मानकों की जांच से की गई। इस क्रम में सचिव ने स्वयं बंदियों के लिए तैयार दाल, रोटी और सब्जी का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता परखी, जो संतोषजनक पाई गई। समीक्षा में पाया गया कि भोजन जेल मैनुअल में निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार कर बंदियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही रसोईघर की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के भंडारण और आवश्यक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता की भी जांच की गई। इसके बाद निरीक्षण दल ने सभी वार्डों का भ्रमण किया। इस दौरान बंदियों के रहने की व्यवस्था, साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल और शौचालय की स्थिति की पड़ताल की गई। बंदियों के व्यक्तिगत सामान की भी जांच की गई, हालांकि किसी भी वार्ड से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और शिकायतों की जानकारी ली तथा उन्हें कानूनी सहायता एवं उनके अधिकारों से संबंधित जानकारी भी दी। सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बंदियों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी बीमारी की स्थिति में समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

मानदेय भुगतान नहीं होने से वार्ड सदस्यों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड सभागार में प्रखंड अंतर्गत सभी निर्वाचित वार्ड सदस्यों का मानदेय लंबे समय से नहीं मिलने को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी वार्ड सदस्यों ने मानदेय भुगतान में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई और इसे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जनता के जनादेश का भी अपमान बताया। बैठक में वार्ड सदस्यों ने कहा कि वे निरंतर जनसेवा और विकास कार्यों में अपनी भूमिका निभा रहे हैं, इसके बावजूद उनका मानदेय लंबित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर मानदेय भुगतान को लेकर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में उपस्थित ठेठईटांगर पश्चिमी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य ने कहा कि वार्ड सदस्यों का मानदेय नहीं मिलना सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपमान है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। बैठक के बाद सभी वार्ड सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर सामूहिक आवेदन जिला उपायुक्त, सिमडेगा को सौंपा। वार्ड सदस्यों ने जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान की मांग की है। बैठक में फ्रीस्का लकड़ा, मुकेश केरकेट्टा, अनिल सुरीन, सपना जोजो, सोभित सोरेंग, सुनिता सुरीन, अल्का बोदरा, लक्ष्मी देवी, सहदेव गोंड, सरस्वती देवी, अनिमा टोप्पो, एडलिन टेटे, सलन लुगुन, नीमी सुरीन, खीस्तोफर किड़ो सहित कई वार्ड सदस्य उपस्थित रहे।

सवर्ण एकता मंच कोडरमा द्वारा राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सवर्ण एकता मंच कोडरमा द्वारा आज मंगलवार को उपायुक्त कोडरमा के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। 13 जनवरी 2026 को प्रस्तावित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) की सम्बंधित काले कानून को रद्द करने की मांग की है। सवर्ण एकता मंच कोडरमा के सदस्यों ने आज उपायुक्त कोडरमा ऋतुराज के प्रकोष्ठ में उनसे मिल कर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा इस ज्ञापन में कहा गया की इस काले कानून से शैक्षणिक संस्थानों में आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण नहीं रह पायेगा उच्च शिक्षण संस्थानों में धर्म जाति और लिंक के आधार पर यू जी सी इस नए नियम का दुरूपयोग होने की पूरी संभावना है। विद्या के मंदिर में यू जी सी के नए कानून से सवर्ण छात्र छात्राए और शिक्षक इस बात से आशंकित है कि सवर्ण छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा से वंचित रखने का षड्यंत्र रचा गया है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है की भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार अनुच्छेद 14, 15,16 में उल्लिखित समता समानता के अधिकार से सवर्णो को अलग रखा गया है जो मौलिक अधिकार की अवहेलना है तथा इससे सवर्णो पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में महा महिम राष्ट्रपति महोदया से यह मांग की गई है की यू जी सी के नियम 13 जनवरी 2026 द्वारा लाये गए काले कानून को अविलम्ब वापस लिया जाये और देश में व्याप्त अराजकता के स्थान पर शांति का माहौल बनाया जाये। ज्ञापन सौंपने वालो में सवर्ण एकता मंच कोडरमा के रामलखन सिंह, बिरेन्द्र सिंह, विक्रम कुमार परमिल, शिवलाल सिंह, रामचंद्र सिंह, विजय सिंह, प्रदीप कुमार पाण्डेय, विजय कुमार सिंह, अनु सिंह, सुनील कुमार सिन्हा, राजेंद्र पाण्डेय, रघुवीर सिंह, शशि कान्त पाण्डेय, उमेश सिंह, सुनील सिंह सहित अन्य लोग शामिल है।

जमीन विवाद में हत्याः छह आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : एसटी -37/2024, जमीन विवाद में हत्या किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमाकांत मिश्रा की अदालत ने आरोपी 1. उमेश यादव, 47 वर्ष, 2. चुरामन यादव, 38 वर्ष, 3. राम लखन यादव, 35 वर्ष, 4.बसंती देवी 33 वर्ष, 5.ललिता देवी 32वर्ष एवं अविनाश कुमार 19 वर्ष, सभी थाम, चंदवारा, जिला- कोडरमा निवासी को 302 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही जुर्माना लगाया। वही न्यायालय ने 307 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 7 वर्ष की सजा सुनाई। सभी सजाऐ साथ-साथ चलेंगी। मामला वर्ष 2023 का है। इसे लेकर चंदवारा थाना में गणेश यादव के द्वारा थाना कांड संख्या 109/2023, दर्ज कराया गया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान सभी 13 गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनवर हुसैन ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यो का अवलोकन करने के उपरांत सभी 6 अभियुक्तों को 302, 307,आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए, सश्रम आजीवन कारावास की सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया।

सिमडेगा में आकांक्षी जिला व प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक, सम्पूर्णता अभियान 2.0 पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयगत क्षेत्रों-स्वास्थ्य, पोषण, कृषि एवं सहायक क्षेत्र, शिक्षा, बुनियादी ढांचा तथा सामाजिक विकास-से संबंधित संकेतकों की प्रगति की समीक्षा हेतु आज जिला स्तर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त, सिमडेगा द्वारा की गई, जबकि अपर समाहर्ता, सिमडेगा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अंड्रा प्रशांत तिवारी द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, कृषि एवं सहायक क्षेत्र, शिक्षा, बुनियादी ढांचा तथा सामाजिक विकास से संबंधित ADP एवं ABP संकेतकों की अद्यतन स्थिति, उपलब्धियों एवं लंबित बिंदुओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के साथ विषयवार गहन समीक्षा एवं विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में नीति आयोग की प्रमुख पहल सम्पूर्णता अभियान 2.0 के प्रस्तावित शुभारंभ (दिनांक 06 फरवरी 2026) पर विशेष चर्चा की गई। यह अभियान जमीनी स्तर पर समग्र, समावेशी एवं परिणामोन्मुख विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आकांक्षी जिला कार्यक्रम के 05 संकेतकों तथा आकांक्षी प्रखंड बांसजोर के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के 06 संकेतकों को दिनांक 14 अप्रैल 2026 तक 100 प्रतिशत संतृप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समीक्षा के क्रम में शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया कि जिले के छह विद्यालयों में शेष कार्यात्मक शौचालयों के निर्माण/सक्रियकरण का कार्य माह के अंत तक पूर्ण कराया जाए। इसके लिए DMFT अथवा अन्य उपलब्ध वित्तीय स्रोतों का समुचित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य एवं पोषण विषयक संकेतकों की समीक्षा के दौरान टीएचआर वितरण से संबंधित डेटा की रिपोर्टिंग आवृत्ति बढ़ाने, पोषण ट्रैकर ऐप में समयबद्ध, शुद्ध एवं पारदर्शी डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण अथवा फर्जी प्रविष्टि पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि कोई भी पात्र बच्चा पूरक पोषण सेवाओं से वंचित न रहे तथा गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार हेतु संबंधित संस्थानों में 100 प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित की जाए।

संक्षिप्त खबरें

नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए रामविलास बड़ाईक को भाजपा का समर्थन, आज करेंगे नामांकन

सिमडेगा : नगर परिषद अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस क्रम में सिमडेगा जिले में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता रामविलास बड़ाईक को अपना आधिकारिक समर्थन देने की घोषणा की है। जिला अध्यक्ष दीपक पुरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि रामविलास बड़ाईक आज पूर्वाह्न 11:00 बजे नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने सर्वसम्मति से उनके अनुभव, संगठनात्मक मजबूती और जनसेवा को देखते हुए यह निर्णय लिया है। जिला अध्यक्ष ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नामांकन जुलूस में शामिल हों और इसे ऐतिहासिक बनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी समर्थित उम्मीदवार को जनता का भरपूर समर्थन मिलेगा और नगर के विकास को नई दिशा मिलेगी। नगर परिषद अध्यक्ष प्रत्याशी रामविलास बड़ाईक ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। नामांकन को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और इसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सिमडेगा इकाई द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सेवा कार्य

सिमडेगा : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सिमडेगा इकाई के तत्वावधान में नगर के विभिन्न विद्यालयों में, जहाँ मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के केंद्र बनाए गए थे, वहाँ विद्यार्थियों के बीच आयाम गतिविधि सेवार्थ विद्यार्थी कार्य के अंतर्गत पेन एवं मुँह मीठा हेतु चॉकलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर परीक्षा में सम्मिलित हो रहे छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें शुभकामनाएँ दी गईं। परिषद के कार्यकर्ताओं ने "Students for Seva" के बैनर तले यह सेवा कार्य संपन्न कराया। परीक्षा के तनावपूर्ण समय में इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला संयोजक शिवम केशरी और नगर मंत्री जयंत पंडा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश सह मंत्री संतोषी कुमारी, नगर मंत्री जयंत पंडा, सुखवंती कुमारी, प्रियंशी कुमारी, तुलसी कुमारी भुनेश्वर महतो सहित विद्यार्थी परिषद के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभाविप के झारखंड प्रदेश कि प्रदेश सह मंत्री संतोषी कुमारी ने की।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा की ओर से संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव ने किया। बैठक में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने नगर निकाय चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवारों की घोषणा की। उन्होंने झुमरी तिलैया नगर परिषद से पंकज वर्णवाल, कोडरमा नगर पंचायत से कान्ति देवी तथा डोमचाँच नगर पंचायत से उमेश वर्मा को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाता भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार झुमरी तिलैया, कोडरमा का नाम कभी रेडियो पर विविध भारती, बिनाका और फरमाइशी गीतों के माध्यम से देशभर में पहचाना जाता था, उसी प्रकार अब झुमरी तिलैया, कोडरमा और डोमचांच को स्वच्छ, सुंदर और विकसित शहर के रूप में नई पहचान दिलाई जाएगी। बैठक में उपस्थित पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर नगर निकाय चुनाव में पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को विजयी बनाने का संकल्प लिया।

जयनगर में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोडरमा : जयनगर भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची द्वारा कोडरमा जिले के जयनगर प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को योजना के लाभों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गौतम कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जयनगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुरेंद्र शर्मा, सहायक निदेशक (ग्रेड-II), एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची; विमलकांत झा, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), कोडरमा; चंदन कुमार सिंह, प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक; अधनु उरांव, जिला उद्यमी समन्वयक, कोडरमा तथा मनोरंजन कुमार शर्मा, प्रखंड उद्यमी समन्वयक, जयनगर उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत 18 पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कारीगरों को सम्मिलित किया गया है। योजना के तहत 5-7 दिनों का कौशल प्रशिक्षण, 500 प्रतिदिन की स्टाइपेंड राशि, प्रशिक्षण उपरांत 15,000 का टूलकिट ई-वाउचर तथा 5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख से 2 लाख तक का कोलेटरल-फ्री ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण-पत्र एवं पहचान पत्र भी प्रदान किए जाते हैं। तकनीकी सत्र में दिग्विजय राजा, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक एवं विपिन कुमार द्वारा वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, यूपीआई व क्यूआर कोड की उपयोगिता तथा ई-कॉमर्स के माध्यम से व्यापार विस्तार की जानकारी दी गई।

निकाय चुनावः पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी ने मेयर पद के लिए भरा नामांकन पर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड में नगर निकाय चुनाव की सरगर्मियां बढ़ गई है। उम्मीदवार अपने नामांकन पर्चा दाखिल कर चुनाव मैदान में उतर चुके है। इसी कड़ी में मानगो नगर निगम से मेयर पद के लिए पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता ने भी अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया है। सुधा गुप्ता बिना किसी शक्ति प्रदर्शन किए मात्र कुछ समर्थकों और प्रस्तावक के साथ नॉमिनेशन कराया। बिना शक्ति प्रदर्शन किए भरा पर्चा

नामांकन के लिए जाने से पहले सुधा गुप्ता अपने घर में विधिवत पूजा-अर्चना की। साथ ही पति बन्ना गुप्ता के साथ कदमा स्थित रंकणी मंदिर और मानगो के बड़ा हनुमान मंदिर में मत्था टेका। जिसके बाद सुधा गुप्ता अपने पति और कुछ समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ सादे तरीके से नामांकन दाखिल करने उपायुक्त कार्यकालय पहुंची।

पद के लिए नहीं, सपनों की लड़ाई

नामांकन के बाद सुधा गुप्ता ने कहा कि यह चुनाव किसी पद के लिए नहीं, बल्कि मानगो की हर बेटी, मां और परिवार के सपनों की लड़ाई है। जनता का समर्थन, भरोसा और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। सादे तरीके से नामांकन को लेकर उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा हैं। वहां मजदूर सड़क निर्माण में तेजी से जुटे हुए है और रास्ता संकीर्ण हैं। ऐसे में हजारों की संख्या में यदि समर्थक आते तो सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। जनता को परेशानी ना हो इसलिए सिर्फ समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ नामांकन करने का निर्णय लिया।

पातकुम नदी पर एक अज्ञात वृद्ध महिला कि लाश बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : थाना क्षेत्र के पातकुम के करकरी नदी पर एक 85 वर्षीय वृद्ध महिला की लाश बरामद किया गया। सुचना मिलते ही थाना प्रभारी बजरंग महतो दलवल के साथ पातकुम नदी पहुंचे और पानी से लाश को निकलवा कर पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। लाश की सुचना मिलते ही अगल बगल के सैकड़ों ग्रामीण लाश को देखने पहुंचे, लेकिन किसी ने भी लाश की पहचान नहीं कर पाए। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया बीमारी से मृत्यु होने पर नदी में बहाया, प्रतित होता है। नदी किनारे कफन, कपड़े का पोटली एवं खटिया भी रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि लाश की पहचान करने की प्रक्रिया किया जा रहा है एवं आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

आजसू ने नगर निकाय चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को दिया समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : ऑल झारखंड स्टूडेंट युनियन ने नगर निकाय चुनाव में अपना रुख स्पष्ट किया है। मंगलवार को आजसू जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने जुगसलाई नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशी रिंकू सिंह और मानगो नगर निगम मेयर पद के लिए भाजपा प्रत्याशी संध्या सिंह को समर्थन देने की घोषणा की। कन्हैया सिंह ने कहा कि आजसू पार्टी दोनों प्रत्याशियों को तन-मन-धन से सहयोग करेगी और उनकी जीत सुनिश्चित कराने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी। उन्होंने बताया कि रिंकू सिंह और संध्या सिंह जनता के बीच मजबूत पकड़ रखते हैं और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि नगर निकायों में मजबूत नेतृत्व की जरूरत है, ताकि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने विश्वास जताया कि आजसू और भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की यह साझा लड़ाई क्षेत्रीय विकास को नई गति देगी। कन्हैया सिंह ने केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता चुनावी गतिविधियों में पूरी निष्ठा और सक्रियता से सहयोग करेंगे। इसके तहत कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनसंपर्क करेंगे और पार्टी की नीतियों तथा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि उनकी मेहनत और जनता के समर्थन से दोनों प्रत्याशी भारी मतों से विजयी होंगे।

बड़की सरिया नगर पंचायत, नॉमिनेशन के 5वें दिन अध्यक्ष पद के लिए 11 ने कराया नामांकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : बड़की सरैया नगर पंचायत चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के 5वें दिन मंगलवार को अनुमंडल सह प्रखंड अंचल कार्यालय में काफी गहमागहमी देखी गई। अध्यक्ष पद के लिए 11 प्रत्याशियों ने नामांकन कराया जिसमें लक्ष्मी देवी पति बसंत कुमार, सुनीता प्रसाद पति रामपति प्रसाद,शोभा देवी पति फागु पंडित, सुनीता देवी पति सुभाष मोदी, प्रीतपाल कौर पति करण सचदेवा, थमिया देवी पति स्व.रघुनाथ मंडल, विनीता देवी शाह पति सुरेन्द्र मंडल, यशोदा कुमारी पति राजेश रवानी, कंवलजीत सलूजा पति संजय सलजा,मंजू देवी पति दशरथ प्रसाद, कौशल्या देवी पति जनककिशोर महतो शामिल हैं । इसके पूर्व सोमवार को चेतना तरवे, श्रुतिप्रिया कौर,कंचन देवी व आरती देवी ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया था जबकि शनिवार को आरती देवी ने नामांकन कराया था। इस प्रकार अब तक अध्यक्ष पद के लिए कुल 16 प्रत्याशियों का नामांकन हो चुका है, जबकि कुल 23 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री हुई है । वहीं वार्ड 1 से 6 के लिए अबतक 36 व वार्ड 7से 12 तक के लिए 27 प्रत्याशियों ने नामांकन कराया है । जबकि वार्ड 1 से 6 के लिए मंगलवार को 4 व अबतक कुल 51 नामांकन प्रपत्र की बिक्री हुई है । जबकि वार्ड 7से12 के लिए मंगलवार को 01 व अबतक कुल 39 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री की गई है। निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने बताया कि अब बुधवार सिर्फ एक दिन नामांकन कार्य होना है।

जितपुर खनन परियोजना से बदलेगी युवाओं की तकदीर, एलएमवी ड्राइविंग प्रशिक्षण की शुरूआत

- युवाओं को मिला रोजगार का नया रास्ता, पहला बैच रवाना
- 21 दिन के प्रशिक्षण के लिए 17 युवक चयनित
- अगले चरण में महिलाओं को ई-टोटो देकर स्वरोजगार से जोड़ने की योजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सुंदरपहाड़ी : कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत सुंदरपहाड़ी स्थित जितपुर खनन परियोजना क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। पहली बार यहां लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करना है। यह प्रशिक्षण दक्षता मोटर ड्राइविंग स्कूल, गोड्डा के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। प्रथम बैच के तहत 17 प्रतिभागियों को 21 दिवसीय एलएमवी ड्राइविंग प्रशिक्षण के लिए रवाना किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जितपुर पंचायत की मुखिया मेरी मार्गेट हेंब्रम की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे। टेरी माइनिंग के परियोजना प्रमुख रितेश कुमार तिवारी ने बताया कि आगामी चरण में परियोजना प्रभावित परिवारों की महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए तीन ई-टोटो उपलब्ध कराए जाने की योजना भी बनाई गई है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाला कदम बताया। मौके पर टेरी माइनिंग लिमिटेड की सीएसआर टीम से अनिरुद्ध दास और संतोष कुमार, जबकि भूमिझराजस्व टीम से सदानंद सिंह, राजू सिंह, सुषमा सोरेन, अजीत झा, अभिषेक, बासुदेव और गायत्री उपस्थित रहे।

धनबाद के उप विकास आयुक्त ने मैट्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

धनबाद : धनबाद के उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने जिले में मंगलवार से आयोजित मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, गोसाईंडीह और उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, प्रधानखंता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा के सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का भी आग्रह किया। इसके बाद, डीडीसी सन्नी राज ने बलियापुर प्रखंड के जगदीश पंचायत के मोहनपुर गांव में स्थित सोनाली ब्रीड हैचरी यूनिट का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, रख-रखाव और संचालन व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। साथ ही उन्होंने जेएसएलपीएस के माध्यम से हैचरी यूनिट को और बेहतर बनाने के लिए संभावित सहायता और संसाधनों का भी मूल्यांकन किया।

एक नजर

उप विकास आयुक्त ने मैट्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

धनबाद : धनबाद के उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने जिले में मंगलवार से आयोजित मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, गोसाईंडीह और उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, प्रधानखंता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा के सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का भी आग्रह किया। इसके बाद, डीडीसी सन्नी राज ने बलियापुर प्रखंड के जगदीश पंचायत के मोहनपुर गांव में स्थित सोनाली ब्रीड हैचरी यूनिट का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, रख-रखाव और संचालन व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। साथ ही उन्होंने जेएसएलपीएस के माध्यम से हैचरी यूनिट को और बेहतर बनाने के लिए संभावित सहायता और संसाधनों का भी मूल्यांकन किया।

तेज रफ्तार कार ने सांड़ को मारी टक्कर, मौत

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बरसोल थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधकुंडी चौक के पास एनएच-49 पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा कार ने सड़क पर अचानक आए एक सांड़ को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सांड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में लगे एयर बैग खुल जाने से उसमें सवार दोनों लोगों की जान बच गई। हादसे में कार चालक को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार कार संख्या बीआर-06-डीडब्ल्यू-7810 में सवार दो लोग बहरागोड़ा से खड़गपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार दारीसोल अंडरपास के समीप पहुंची, तभी सड़क पर अचानक एक सांड़ सामने आ गया। चालक को संभलने का मौका नहीं मिला और कार सीधे सांड़ से टकरा गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक टक्कर के बाद कार करीब 100 मीटर तक सांड़ को घसीटते हुए सड़क के डिवाइडर से जा टकराई और फिर सड़क पर ही रुक गई। घटना की सूचना मिलते ही बरसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से थाना ले जाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जमशेदपुर में चितरंजन महतो को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : सीपीआईएम के पूर्व जिला सचिव मंडल सदस्य और बहरागोड़ा लोकल कमेटी के सचिव दिवंगत चितरंजन महतो की याद में नेताजी शिशु उद्यान में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। विद्यासागर माण्डी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के जिला सचिव के.पी. सिंह मुण्डा और राज्य सदस्य स्वपन कुमार महतो ने उन्हें संगठन का सच्चा सेवक बताया। साथ ही वक्ताओं ने उनके मृदुभाषी स्वभाव और जनता के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए उनके निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताया। वहीं कार्यक्रम में महिला समिति की पानमोणि माझी सहित रवींद्रनाथ दास, मिलन प्रकाश वाला, राम हरि बेरा, विमान बनर्जी और कन्हाई मुंडा जैसे कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं सभा के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी गई और उनके अधूरे संकल्पों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा के दगड़ीगोड़ा हरि साधना आश्रम में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 8 फरवरी से

पटमदा : पटमदा के दगदीगोड़ा स्थित श्री श्री हरि साधना आश्रम में हर साल की भांति इस साल भी 8 फरवरी से तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार को आश्रम परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आश्रम संचालक शंभू दास बाबाजी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्घाटन ईचागढ़ की विधायक सविता महतो व जुगसलाई विधायक मगंल कालिंदी , जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो व मुखिया काजल सिंह ने संयुक्त रूप से करेंगे। तीनों दिन पूजा अर्चना, भागवत कथा, प्रवचन, लीला कीर्तन एवं बाउल संगीत पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा, नवद्वीप एवं मेदनीपुर के कलाकार प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में पटमदा, बोड़ाम, जमशेदपुर व चांडिल क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस दौरान साधु सेवा एवं भंडारा का आयोजन भी किया जाएगा। संवाददाता सम्मेलन में कमेटी के श्रीमंत मिश्रा, प्रेमचांद महतो, बुलू व उमा भी उपस्थित थे।

विदाई समारोह का हुआ आयोजन

इटखोरी : साई इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल साहिबारा इटखोरी में मंगलवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह में यहां के दशम वर्ग के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य एचजी तिवारी ने कहा कि आगामी परीक्षा में पहले प्रश्न पत्र को बढ़िया से पढ़ें। इसके बाद उसका उत्तर दें। साथ हीं जो प्रश्न का उत्तर आप जानते हैं, पहले उन्हीं प्रश्नों का उत्तर लिखें। उन्होंने आगे कहा कि विगत वर्ष के प्रश्नों को हल करें और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा लिखें। मौके पर संचालक प्रकाश राम ,शिक्षक जितेन्द्र पांडेय,प्रदीप कुमार, जे पांडेय, सुमन सौरभ, नितेश सुमन, विकास कुमार और शोभा सिंह आदि उपस्थित थे।

धनबाद के उप विकास आयुक्त ने मैट्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

धनबाद : धनबाद के उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने जिले में मंगलवार से आयोजित मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, गोसाईंडीह और उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल, प्रधानखंता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा के सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का भी आग्रह किया। इसके बाद, डीडीसी सन्नी राज ने बलियापुर प्रखंड के जगदीश पंचायत के मोहनपुर गांव में स्थित सोनाली ब्रीड हैचरी यूनिट का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया, रख-रखाव और संचालन व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। साथ ही उन्होंने जेएसएलपीएस के माध्यम से हैचरी यूनिट को और बेहतर बनाने के लिए संभावित सहायता और संसाधनों का भी मूल्यांकन किया।

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद, रामगढ़

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :– ZP/RAMGARH/05/2025-26
1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–
2.मद –15th Finance Health Sector

क्र०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य (रु०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	Chitarpur	Construction of Health Sub Centre at Chitarpur East	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
2	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Chhotki Dundi	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
3	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Orla	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
4	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Sondiha	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – दिनांक 07.02.2026
2. ई–निविदा डालने / प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 07.02.2026 से दिनांक 12.02.2026 अपराह्न 04:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक – 13.02.2026 को अपराह्न 04:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता– जिला अभियंता, जिला परिषद, रामगढ़।
5. ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं०– 9801557645
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते मे अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता हैं। तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
8. निविदा Double Bid पद्धति से होगा।
9. इस निविदा में जिला परिशद, रामगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

ह० / –
जिला अभियंता,
जिला परिषद, रामगढ़

PR 372241 District(25-26).D

कार्यालय- समेकित जनजाति विकास अभिकरण (I.T.D.A) गुमला
(अ०ज०जा०, अ०जा०, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग)

प्रवेशिकोत्तर पाठयक्रमों में अध्ययनरत् अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृति योजना वर्ष 2025–26 हेतु आवेदन से संबंधित आवश्यक सूचना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र / छात्राओं के लिए झारखण्ड राज्य पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नियमावली, 2022 के अनुसार (ई–कल्याण पोर्टल पर पोसट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नियमावली, 2022 की प्रति उपलब्ध) वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए निम्न प्रकार संशोधित ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते है :–

ऑनलाईन आवेदन की समय सीमा :–

क0	प्रक्रियात्मक कार्यवाही	कार्यवाही के लिए निर्धारित अंतिम तिथि
1.	शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ई–कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण हेतु आवेदन की अंतिम तिथि	20.02.2026
2.	शैक्षणिक सत्र 2025–26 हेतु छात्र / छात्राओं के आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि	28.02.2026

नोट :–
- पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से संबंधित अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची से निर्गत दिशा–निर्देश एवं अन्य अनुवर्ती सूचना वेबसाईट (Website- ekalyan.cgg.gov.in) पर देखा जा सकता है। ऑनलाईन आवेदन करने के पूर्व कृपया उक्त वेबसाईट पर दिए गए निर्देश को अवश्य देख लिया जाये।
- पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र / छात्राओं के लिए झारखण्ड राज्य पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नियमावली, 2022 के द्वारा निर्धारित शर्तों एवं नियमों का अनुपालन करते हुए ऑनलाईन आवेदन किया जाए। (ई–कल्याण पोर्टल पर पोसट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नियमावली, 2022 की प्रति उपलब्ध)
- निश्चित समय सीमा की समाप्ति के पश्चात् किसी प्रकार के आवेदन–पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।
- प्रत्येक छात्र–छात्रा को आधार आधारित बैंक खाता KYC कराने के उपरांत ही आवेदन करें।
- एक से अधिक आवेदन–पत्र भरने पर छात्र / छात्रा का आवेदन–पत्र रद्द कर दिया जायेगा।
- ऑनलाईन आवेदन में त्रुटि / अशुद्धि / गलत अथवा भ्रामक सूचना देने पर आवेदन रद्द कर दिया जायेगा।

ह0 / –
जिला कल्याण पदाधिकारी, गुमला

PR 372271 Welfare (25-26)_D

कैंसर मौन महामारी, जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 फरवरी को "विश्व कैंसर दिवस" मनाया जाता है। दरअसल, आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं। जिसका नतीजा है कि अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह जानना भी बहुत जरूरी है कि "कैंसर" आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित "संस्मरण" के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।

कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अतः दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी।

अंततः प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है। इस पूरे प्रसंग ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि भारत जैसे विविध और संवेदनशील लोकतंत्र में शब्दों की शक्ति अत्यंत गहरी है। राष्ट्रीय एकता केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि जिम्मेदार राजनीति से भी सुरक्षित रहती है। कांग्रेस को यह सोचना होगा कि क्या तात्कालिक राजनीतिक लाभ दीर्घकालिक विश्वसनीयता से अधिक महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी को यह आत्मविश्लेषण करना होगा कि नेतृत्व केवल सवाल उठाने से नहीं, बल्कि मर्यादित और समयबद्ध विवेक से भी बनता है। और सरकार को यह याद रखना होगा कि सशक्त राष्ट्र वही है जो सवालों से नहीं, बल्कि जवाबों से मजबूत होता है। यदि यह संतुलन स्थापित हो सका, तभी संसद का प्रत्येक सत्र वास्तव में राष्ट्र के हित में सार्थक सिद्ध होगा।

शैक्षणिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का बजट

डॉ. अवधेश कुमार यादव

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के संघीय बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल 1,39,289.48 करोड़ का अनुमानित प्रावधान किया गया है, जो विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। यह राशि कुल बजट व्यय का लगभग 2.6 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 8.27 प्रतिशत अधिक है तथा शिक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। हालांकि, यह धनराशि एनईपी-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य (शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय) से काफी कम है लेकिन वृद्धि मुद्रास्फीति से ऊपर होने के कारण एनईपी के क्रियान्वयन, विशेषकर अनुसंधान, नवाचार, स्किलिंग तथा शिक्षा-रोजगार संबंध स्थापित करने के क्षेत्रों में गति प्रदान करेगी।

इस कुल आवंटन को शिक्षा मंत्रालय के दो प्रमुख विभागों में विभाजित किया गया है। पहला- स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को 83,562.26 करोड़ (6.35 प्रतिशत की वृद्धि) और दूसरा- उच्च शिक्षा विभाग को 55,727.22 करोड़ (11.28 प्रतिशत की वृद्धि)। यह वृद्धि एनईपी के मूल सिद्धांतों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य तथा जवाबदेही को सशक्त बनाती है, जहां शिक्षा को बहु-विषयी, लचीली, कौशल-आधारित और समावेशी बनाने पर बल दिया गया है।

स्कूल शिक्षा में अब तक का सर्वोच्च आवंटन एनईपी के प्रारंभिक से माध्यमिक स्तर तक की एकीकृत शिक्षा को मजबूत करता है। समग्र शिक्षा अभियान को 42,100 करोड़ प्राप्त हुए हैं, जो पूर्व-प्राथमिक से कक्षा 12 तक निरंतर शिक्षा, बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षक प्रशिक्षण तथा डिजिटल क्लास रूम पर केंद्रित है। पीएम पोषण योजना को 12,750 करोड़ मिले हैं, जो 11 करोड़ से अधिक बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उपस्थिति बढ़ाती है और कुपोषण घटाती है, जो एनईपी के समग्र विकास लक्ष्य से संरेखित है। केंद्रीय विद्यालय संगठन को 10,129 करोड़ तथा नवोदय विद्यालय समिति को 6,025 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देते हैं।

नवाचार को स्कूल स्तर पर एकीकृत करने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स को 3,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के 500 करोड़ से उल्लेखनीय छह गुना वृद्धि है। ये लैब्स छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करती हैं तथा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) आधारित प्रोजेक्ट्स पर कार्य करती हैं, जिससे ड्रॉपआउट दर घटेगी और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी। एनईपी के डिजिटल एवं क्रिएटिव शिक्षा फोकस को देखते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज, मुंबई के सहयोग से 15,000 माध्यमिक स्कूलों तथा 500 कॉलेजों में एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित की जाएंगी। यह "ऑरेंज इकोनॉमी" को मजबूत करेगा तथा छात्रों को प्रारंभिक स्तर से अनुसंधान-आधारित क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में शामिल करेगा।

उच्च शिक्षा में एनईपी का बहु-विषयी तथा अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण प्रमुख है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों को 17,440 करोड़ तथा यूजीसी को 3,709 करोड़ प्राप्त हुए हैं। आईआईटी, एनआईटी तथा आईआईएम जैसे संस्थानों के लिए बढ़ा फंड एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर केंद्रित है, जिसमें एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 250 करोड़ तथा एआई इन एजुकेशन पहल के लिए 100 करोड़ का प्रावधान है। यह उभरती तकनीकों के एकीकरण को मजबूत करेगा। पीएम रिसर्च फेलोशिप को 10,000 स्कॉलर्स तक विस्तारित किया गया है, जो युवा शोधकताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। पीएम रिसर्च चेयर योजना के लिए 200 करोड़ तथा पीएम वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन योजना को 2,200 करोड़ मिले हैं, जो शोध पत्रों तथा जर्नल्स तक केंद्रीकृत पहुंच सुनिश्चित करेगी तथा वैश्विक स्तर के अनुसंधान को समर्थन देगी।

एनईपी में अनुसंधान एवं विकास पर जीडीपी का कम से कम 1 प्रतिशत व्यय तथा एनआरएफ (राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) के माध्यम से मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने का प्रावधान है। इस बजट में उच्च शिक्षा में अनुसंधान आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि से यह लक्ष्य निकट आता दिखता है। पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप्स की स्थापना (औद्योगिक गलियारों के निकट विश्वविद्यालय, रिसर्च संस्थान, स्किल सेंटर तथा आवासीय सुविधाओं के साथ) इंडस्ट्री-एकेडमिया लिंकेज को मजबूत करेगी, जहां संयुक्त प्रोजेक्ट्स जैसे एआई, बायोटेक्नोलॉजी तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर कार्य होगा। हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना (कैपिटल सपोर्ट से), एसटीईएम में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जहां वर्तमान दर अपेक्षाकृत कम है तथा एनईपी की लैंगिक समानता तथा अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाएगी।

नए संस्थानों में तीन नए एनआईपीईआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च), पूर्वी भारत में एक नया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी का अपग्रेड एनईपी के बहु-विषयी तथा व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देंगे। एनआईपीईआर फार्मास्यूटिकल रिसर्च पर फोकस करेंगे, जो बायोफार्मा तथा ड्रग डिस्कवरी में भारत को वैश्विक नेता बनाने की दिशा में सहायक होंगे। "एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज" की हाई-पावर्ड स्टैंडिंग कमिटी गठित होगी, जो शिक्षा को सेवाओं क्षेत्र (10 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी लक्ष्य) तथा उभरती स्किल्स से जोड़ेगी तथा एआई के प्रभाव का मूल्यांकन करेगी।

अन्य क्षेत्रों में 100,000 एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स जोड़ना, तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, वेटरनरी शिक्षा के लिए सब्सिडी तथा खेलो इंडिया मिशन के तहत स्पोर्ट्स साइंस एनईपी के स्वास्थ्य, पर्यटन तथा खेल शिक्षा को मजबूत करेंगे, जहां अनुसंधान जैसे स्पोर्ट्स साइंस में बायोमैकेनिक्स तथा पोषण पर फोकस होगा। एम्स, नई दिल्ली को 5,500.92 करोड़ तथा एनआईएमएचएएनएस-2 की स्थापना मेन्टल हेल्थ रिसर्च को बढ़ावा देगी। यह बजट शिक्षा व्यवस्था के मौजूदा परिदृश्य को सकारात्मक रूप से बदलने वाला है क्योंकि यह एनईपी के विभिन्न स्तंभों- अनुसंधान एकीकरण, समावेशिता, कौशल विकास तथा रोजगार-उन्मुखीकरण को एक साथ मजबूत करता है।

यह बजट अनुसंधान एकीकरण, समावेशिता, कौशल विकास तथा रोजगार-उन्मुखीकरण के माध्यम से एनईपी के स्तंभों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अनुसंधान पर फोकस (एनआरएफ, पीएम रिसर्च चेयर, वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन), एआई तथा क्रिएटिव स्किल्स (एवीजीसी लैब्स) तथा इंडस्ट्री-एकेडमिया लिंकेज (यूनिवर्सिटी टाउनशिप्स, स्टैंडिंग कमिटी) भविष्योन्मुखी हैं। यदि क्रियान्वयन मजबूत हो, फंड का उपयोग समयबद्ध व प्रभावी हो तथा राज्य स्तर पर समन्वय बढ़े तो यह शैक्षणिक परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

(लेखक, राजकीय महाविद्यालय, कुल्लू में पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के सहायक प्रोफेसर हैं।)

सूडोकु नवताल- 7695

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7694 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

अमेरिकी टैरिफ कटौती में भारत से ज्यादा अमेरिका का हित

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीति में कई बार फैसले तत्काल फायदे से अधिक दूरगामी मजबूरियों का नतीजा होते हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना भी ऐसा ही एक निर्णय है, जिसे सतही तौर पर भारत के पक्ष में बड़ी जीत माना जा रहा है, किंतु गहराई से देखने पर यह कदम अमेरिका के अपने घरेलू हितों, खासकर महंगाई से जूझते आम अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत देने की मजबूरी का परिणाम अधिक नजर आता है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत का धैर्य, संतुलित कूटनीति और दीर्घकालिक सोच आखिरकार रंग लाती दिखाई दी है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने टैरिफ को एक राजनीतिक और रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के तहत चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत जैसे मित्र देशों पर भी भारी शुल्क लगाए गए। उद्देश्य इसके पीछे जो दिखा, वह घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और आयात को महंगा कर अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देना रहा लेकिन व्यवहार में इसका असर उल्टा पड़ा। ऊंचे टैरिफ का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा, महंगाई बढ़ी और सप्लाई चेन में अस्थिरता आई। आज जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई के दबाव से कराह रही है, तब ट्रंप प्रशासन को यह समझमें आया कि टैरिफ की यह आक्रामक नीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है।

कहना होगा कि यहीं से भारत के प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव होता हुआ दिखता है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है। भारत से आने वाले टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, केमिकल और आईटी सेवाएं अमेरिकी उपभोक्ताओं और उद्योगों के लिए अहम हैं। इन पर ऊंचा शुल्क अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ाता था, जिसका असर सीधे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर पड़ता था। ऐसे में टैरिफ कटौती अमेरिका के लिए अपनी ही अर्थव्यवस्था को राहत देने का रास्ता बन गई।

वैश्विक तुलना करें तो भारत की स्थिति अब कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नए टैरिफ ढांचे में भारत पर 18 प्रतिशत शुल्क है, जबकि इंडोनेशिया पर 19, वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 और चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लागू है। यह अंतर वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धा में बड़ा बदलाव है। अमेरिकी आयातक स्वाभाविक रूप से कम शुल्क वाले देशों से खरीद बढ़ाने की कोशिश करेंगे और इस दौड़ में भारत अब अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे खड़ा दिखेगा। यह बढ़त भारत की मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात रणनीति के लिए बेहद अहम कही जा सकती है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा और भू-राजनीति से जुड़ा है। रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाया जाना इस बात का संकेत है कि अमेरिका व्यापार नीति को रणनीतिक लक्ष्यों से जोड़कर देख रहा है। अमेरिका के लिए यह फैसला रूस पर दबाव बढ़ाने और अपने सहयोगियों को एकजुट रखने की रणनीति का हिस्सा है, जबकि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता में रखते हुए संतुलित रुख अपनाया हुआ है।

यहां भारत का धैर्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है। रूस-युक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने सस्ते रूसी तेल की खरीद बढ़ाई, क्योंकि उसकी ऊर्जा जरूरतें और घरेलू अर्थव्यवस्था इसकी मांग करती थीं। पश्चिमी देशों के कई दबाव आते रहे, बावजूद भारत ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा संबंधी फैसले राष्ट्रीय हित और बाजार परिस्थितियों के आधार पर होंगे। यही धैर्य और आत्मविश्वास अंततः भारत के पक्ष में अब आता हुआ दिखता है। पहले भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और अब अमेरिका का खुद यह स्वीकार करना कि टैरिफ नीति में लचीलापन जरूरी है, आज यह साबित करता है कि जल्दबाजी के बजाय भारत द्वारा संतुलित कूटनीति उसके पक्ष में कितनी प्रभावी रही है।

इस व्यापार समझौते का सीधा प्रतिबिंब भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला, जहां समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल दिखा है। ऑटो, आईटी, फार्मा, बैंकिंग और मेटल जैसे सेक्टर्स में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। यह बाजार प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि निवेशक इस फैसले को भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक वृद्धि के लिए सकारात्मक मान रहे हैं।

एक्सिस सिक्योरिटीज जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट भी यही कहती है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता चालू खाते के घाटे को कम करने, रुपये को स्थिर रखने और बाहरी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता घटाने में मदद करेगा। बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ में स्थिरता से निर्यात बढ़ेगा, मैन्युफैक्चरिंग में निवेश आएगा और एफडीआई को मजबूती मिलेगी। खासकर वे सेक्टर, जिनकी अमेरिकी बाजार में मजबूत मौजूदगी है, उन्हें दीर्घकालिक लाभ मिलने की संभावना है।

इसके साथ ही यहां जो अभी सिर्फ भारत के हित में निर्णय को मान रहे हैं, उन्हें समझना होगा कि ये निर्णय भारत से ज्यादा अमेरिका के अपने हित में है, क्योंकि अमेरिका इस समय महंगाई और आर्थिक दबाव से गुजर रहा है, उसमें सस्ते और भरोसेमंद आयात के लिए भारत एक बड़ा, स्थिर और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता है।

दैनिक पंचांग

4 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

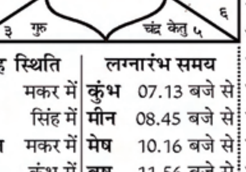

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.13 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	08.45 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.16 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.54 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.08 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.24 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.46 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.01 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	03.17 बजे से
बजे तक		मकर	05.22 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 35 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 00.10 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 22.13 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 01.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 12.20 बजे तदनन्तर विष्टि 00.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872610
जूलियन दिन 2461075.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 15
विशेष विश्व कैंसर दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कराटे चैंपियनशिप में अमर उरांव को दोहरा स्वर्ण पदक

खूंटी : स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में 31 जनवरी और एक फरवरी तक टाना भगत इंडोर स्टेडियम रांची में आयोजित झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में खूंटी जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे लोयोला हाई स्कूल परिसर में स्थित कराटे सेंटर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल चार स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में अमर उरांव ने अंडर–21 और सीनियर वर्ग के 60 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दोहरा स्वर्ण पदक जीतकर सभी को प्रभावित किया। वहीं जयस राज ने 12 वर्ष आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा सुशील नाग और शिवम सिंह ने 13 वर्ष आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया, जबकि ऐमन असदक ने 13 वर्ष आयु वर्ग (60 किलोग्राम भार वर्ग) में रजत पदक प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। वहीं जिला कराटे संघ अध्यक्ष सह कोच हेजाज असदक ने मंगलवार को बताया कि खूंटी जिले के खिलाड़ी निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्?होंने कहा कि इन पदकों ने यह साबित कर दिया है कि हमारे खिलाड़ी राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क हादसे में स्पेशल ब्रांच के कांस्टेबल की मौत

पलामू : जिले में हुए एक सड़क हादसे में स्पेशल ब्रांच के कांस्टेबल शिव कुमार रवि (43) की मौत हो गई। वे वर्तमान में रेहला थाना क्षेत्र में तैनात थे। वे उंटारी थाना क्षेत्र के भदुमा गांव के निवासी थे। वे 2005 बैच के सिपाही थे। घटना के बाद पुलिस विभाग और परिजनों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, बीमोड़ के पास नेशनल हाइवे पर किसी गांव जाने के दौरान वे सड़क हादसे का शिकार हो गए। गंभीर हालत में परिजन और ग्रामीण उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले गए, जहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया। रिम्स ले जाने के क्रम में सिर और पैर में गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया। पार्थिव शरीर पलामू पुलिस लाइन में लाया गया, जहां उन्हें अंतिम सलामी दी गयी और गांव भेज दिया गया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार शिव कुमार रवि सोमवार शाम को पैदल रेहला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान केताट गांव के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

गांजा के साथ तीन महिला सहित चार तस्कर गिरफ्तार

पलामू : अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पलामू जिले की हुसैनाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मंगलवार को मधुशाला रोड जपला से 8.6 किलो गांजा बरामद करते हुए तीन महिला सहित चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। अभियुक्तों में उदय प्रसाद उर्फ बबलू गुप्ता, अनिता देवी, दुर्गा देवी और सबिता देवी शामिल हैं। सभी मधुशाला रोड जपला के निवासी हैं। सोमवार की देर रात थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुशाला रोड जपला स्थित कुछ लोग अपने घरों में भारी मात्रा में गांजा छिपाकर रखकर उसकी अवैध खरीद–बिक्री कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पलामू को अवगत कराया गया।

कुजू के पेयकी बालू घाट पर अवैध कारोबार का खुलासा, प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : रामगढ़ जिले के कुजू थाना क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार का एक बड़ा मामला सामने आया है। कुजू थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित पेयकी बालू घाट पर बड़े पैमाने पर अवैध बालू का उठाव किया जा रहा है। यह कारोबार दिनदहाड़े ट्रैक्टरों के माध्यम से खुलेआम चल रहा है, लेकिन प्रशासन की ओर से इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण बालू माफिया बेखौफ होकर नदी से बालू की निकासी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर प्रशासन वास्तव में सख्त होता, तो कुजू थाना के इतने नजदीक यह अवैध गतिविधि संभव नहीं होती। पेयकी बालू घाट तक जाने वाला मुख्य रास्ता हनुमान जी के मंदिर के ठीक बगल से होकर गुजरता है। इसी रास्ते से दिन-रात ट्रैक्टरों की आवाजाही होती रहती है। श्रद्धालुओं के लिए यह रास्ता कभी शांत और पवित्र माना जाता था, लेकिन अब यह अवैध बालू ढुलाई का मुख्य कॉरिडोर बन चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह से लेकर देर रात तक ट्रैक्टरों की कतार लगी रहती है। बालू से लदे ये वाहन बिना किसी रोक-टोक के मुख्य सड़कों पर फरार्टा भरते नजर आते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कुजू थाना महज कुछ ही दूरी पर स्थित है, तब इतनी बड़ी मात्रा में अवैध बालू ढुलाई कैसे संभव हो पा रही है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और संबंधित विभाग सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे बैठे हैं। सूत्रों की मानें तो कई बार स्थानीय नागरिकों द्वारा शिकायतें भी की गईं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। न तो घाट पर छापेमारी हुई और न ही ट्रैक्टरों की जब्ती। अवैध बालू खनन का असर सिर्फ कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ रहा है। नदी के तल से अत्यधिक बालू निकाले जाने से जलस्तर असंतुलित हो रहा है। भविष्य में इससे कटाव, बाढ़ और भू-धंसान जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। पेयकी घाट से जुड़े कई ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बालू माफिया इतने ताकतवर हो चुके हैं कि कोई भी खुलकर विरोध करने से डरता है। कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध करने वालों को धमकियां तक दी गई हैं। अवैध बालू कारोबार से सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। नियमों के अनुसार बालू खनन के लिए लाइसेंस, रॉयल्टी और पर्यावरणीय स्वीकृति जरूरी होती है, लेकिन पेयकी घाट पर इन सभी नियमों को खुलेआम ताक पर रखा जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक न तो जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है और न ही कोई ठोस कार्रवाई। इससे जनता के बीच यह संदेश जा रहा है कि प्रशासन की मिलीभगत से ही यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।

जे.एम. कॉलेज में अवैध शुल्क वसूली का आरोप विद्यार्थी परिषद ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : जे.एम. कॉलेज भुरकुंडा में प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) के नाम पर छात्रों से अवैध रूप से शुल्क वसूले जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), रामगढ़ नगर इकाई ने कॉलेज प्रशासन को अंतिम चेतावनी पत्र सौंपा है। विद्यार्थी परिषद का आरोप है कि महाविद्यालय के जियोग्राफी विभाग के शिक्षकों द्वारा छात्रों से प्रैक्टिकल के नाम पर अवैध रूप से पैसे लिए जा रहे हैं। इस मामले की जानकारी पूर्व में भी कॉलेज प्रशासन को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। एबीवीपी ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि परिषद द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं महाविद्यालय परिसर में संपन्न होनी हैं और परिषद नहीं चाहती कि इन परीक्षाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो। इसके बावजूद यदि अवैध शुल्क वसूली पर कार्रवाई नहीं होती है और छात्रों से ली गई राशि वापस नहीं की जाती है, तो विद्यार्थी परिषद आंदोलन के लिए बाध्य होगी। विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज प्रशासन को 23 फरवरी 2026 तक का समय देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित तिथि तक उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो होने वाले आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। इस मामले में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रों के साथ हो रहे इस प्रकार के अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कॉलेज प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं करता है, तो परिषद को मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री ने कहा कि यह मामला सिर्फ छात्रों के पैसे का नहीं है, बल्कि उनकी शिक्षा और भविष्य का है। उन्होंने कहा कि परिषद छात्रों के हित में हमेशा खड़ी है और उनके अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए रानी टूटी को समर्थन देगी भाजपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भाजपा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित कोर कमेटी की बैठक में खूंटी नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए पार्टी समर्थित प्रत्याशी के रूप में रानी टूटी की औपचारिक घोषणा जिला अध्यक्ष आनंद राम ने की। उन्होंने बताया कि नामांकन के दिन सभी कार्यकर्ता कचहरी मैदान में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से पैदल यात्रा करते हुए समाहरणालय पहुंचेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं खूंटी जिला प्रभारी सत्य नारायण सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा रानी टूटी को समर्थन दिया गया है। अब यह हम सभी कार्यकताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम पूरी निष्ठा और एकजुटता के साथ कार्य करते हुए अपने प्रत्याशी को विजयी बनाएं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि जिस प्रकार वे लोकसभा और विधानसभा चुनाव में समर्पण भाव से कार्य करते हैं, उसी प्रकार नगर निकाय चुनाव में भी पूरी ऊर्जा के साथ जुटें। बैठक के अंत में जिला महामंत्री संजय साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ मुंडा, जिला महामंत्री संजय साहू, निखिल कन्डुलना, मदन मोहन मिश्रा, जितेंद्र कश्यप, नौरी पूर्ति, परमेश्वर प्रसाद, महावीर राम सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राधा गोविन्द विवि के विद्यार्थियों ने बोधगया राजगीर और नालंदा का किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 30 एवं 31 जनवरी 2026 को आयोजित दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण बोधगया, राजगीर और नालंदा में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष की सीमाओं से बाहर निकालकर ज्ञान को प्रत्यक्ष अनुभव से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस शैक्षणिक यात्रा में हिंदी विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को बोधगया, राजगीर तथा नालंदा जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थलों को निकट से देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। बोधगया में भगवान बुद्ध से जुड़ी बौद्ध परंपरा, राजगीर की प्राचीन ऐतिहासिक विरासत तथा नालंदा के विश्वविख्यात प्राचीन विश्वविद्यालय के अवशेषों ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान-परंपरा की महानता से परिचित कराया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को संबंधित स्थलों के ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। इस आयोजन की सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह, विश्वविद्यालय सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. रश्मि तथा कुलसचिव प्रो. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो अशोक कुमार एवं प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार को दिया गया, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह कार्यक्रम सुरक्षित, अनुशासित और सुचारु रूप से संपन्न हो सका।

भारत की वैश्विक धाक, मोदी-ट्रंप व्यापार समझौता एक नए युग की शुरूआत : रंजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुआ ऐतिहासिक व्यापार समझौता केवल व्यापार नहीं, बल्कि दुनिया का भारत पर बढ़ते भरोसे की जीत है। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि एक युवा नागरिक के रूप में यह देखना गर्व की बात है कि कैसे हमारा देश अब वैश्विक नीतियों का अनुगामी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता बन रहा है। इस समझौते से नवाचार, नई तकनीक और स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल मार्केट के द्वार खुलेंगे, जिससे देश के युवाओं के लिए रोजगार और तरक्की के अनंत अवसर पैदा होंगे। रंजन चौधरी ने कहा कि यह समझौता भारत की आर्थिक शक्ति और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती धमक का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस समझौते के तहत भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। इससे भारत को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण लाभ होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। रंजन चौधरी ने कहा कि यह समझौता भारत के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे और देश के विकास में योगदान कर सकेंगे। इस समझौते से भारत को कई क्षेत्रों में लाभ होने की संभावना है, जिनमें से कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं: तकनीक और नवाचार: अमेरिका के साथ समझौते से भारत को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण लाभ होगा। निवेश: इस समझौते से भारत में अमेरिकी निवेश बढ़ने की संभावना है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। व्यापार: इस समझौते से भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। रोजगार: इस समझौते से देश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। इस प्रकार, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उनके संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में एक नए युग की शुरूआत करेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती धमक का प्रतीक : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते का पुरजोर स्वागत किया है। उन्होंने इस मील के पत्थर के समान उपलब्धि के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए बधाई दी है। मनीष जायसवाल ने कहा कि यह समझौता आपसी विश्वास और दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। मनीष जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत ने वैश्विक पटल पर एक अत्यंत भरोसेमंद और मजबूत आर्थिक साझेदार के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाई गई सुधारोन्मुख नीतियों और स्पष्ट विजन का ही परिणाम है कि आज भारत निवेश, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मुख्य केंद्र बन गया है। इस समझौते के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए मनीष जायसवाल ने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों और यहां की उद्यमशीलता के प्रति अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसा और अधिक सुदृढ़ होगा। यह पहल 'मेक इन इंडिया' अभियान को गति देने के साथ-साथ वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है। उनके अनुसार इस ऐतिहासिक सहयोग से न केवल तकनीक और निवेश के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि देश के एमएसएमई, स्टार्टअप्स और ग्रामीण आधारित उद्योगों को भी वैश्विक बाजारों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में जान आएगी और बड़े स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मनीष जायसवाल ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि भारत और अमेरिका की यह प्रगाढ़ आर्थिक साझेदारी भविष्य में समावेशी विकास, वैश्विक आर्थिक स्थिरता और साझा समृद्धि की दिशा में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। इस समझौते से भारत को कई क्षेत्रों में लाभ होने की संभावना है, जिनमें से कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं: तकनीक और नवाचार: अमेरिका के साथ समझौते से भारत को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण लाभ होगा। निवेश: इस समझौते से भारत में अमेरिकी निवेश बढ़ने की संभावना है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

गौमाता की सेवा में जुटे बजरंग दल के कार्यकर्ता सड़क किनारे मृत पड़ी गौ का किया अंतिम संस्कार

चितरपुर : चितरपुर प्रखंड के बारलोंग मेन रोड के समीप मंगलवार को सड़क किनारे लावारिस स्थिति में एक गौ माता मृत पड़ी मिली। मिली जानकारी के अनुसार गाय पूरी तरह से फुल चुकी थी, जिससे यह प्रतीत हो रहा था कि गाय की मृत्यु कई दिन पहले हो चुकी थी। इसकी जानकारी बजरंग दल चितरपुर के कार्यकताओं को हुई। बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता तुरंत घटनास्थल पहुंचे और प्रशासन को सूचना देने के बाद गौमाता का अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया। बजरंग दल का ध्येय वाक्य सेवा, सुरक्षा और संस्कार को आत्मसात करते हुए कार्यकर्ताओं ने गौमाता का विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। कार्यकर्ताओं ने अपने खर्च से जेसीबी मशीन मंगाई और गढ़ा खोदकर श्रमदान कर गौमाता का अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार में शामिल रहे बजरंग दल प्रखंड संयोजक सचिन प्रजापति ने कहा कि गौमाता की सेवा करना हमारा धर्म है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल हमेशा गौमाता की सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर है। इस अवसर पर डब्लू साहु, सनी नायक, अरुण साहु, मुकेश साहु, सुनील प्रजापति, अंशु दांगी, राकेश दत्त, राजू डे, संदीप, आर्यण, बिनोद, शिवा, राकेश, ओम, संतोष सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गौमाता के अंतिम संस्कार के दौरान पवित्र वातावरण बनाए रखा और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सराहना की और उनके इस कार्य को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। गौमाता के अंतिम संस्कार के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि गौमाता की मृत्यु के कारणों की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गौमाता की सुरक्षा और सेवा के लिए बजरंग दल हमेशा तत्पर है।

ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज का डंका झारखंड कौशल उत्कर्ष 2026 में मचा धमाल

पतरातू : ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज, पतरातू के छात्र कुणाल कुमार ने झारखंड कौशल उत्कर्ष 2026 (इंडिया स्किल 2025–26) में वेल्डिंग सेक्टर में तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी 2026 को होटल चाणक्य बी एन आर, रांची में आयोजित की गई थी, जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग और उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने शिरकत की। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया और क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित उम्मीदवारों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुणाल कुमार को वेल्डिंग सेक्टर में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र और 3000 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर विभागीय सचिव श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम आयुक्त, मिशन निदेशक सह सीईओ (झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी) और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि संजय प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इंडिया स्किल प्रतियोगिता युवा युवतियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। उन्होंने कुणाल कुमार को उनकी सफलता की बधाई दी और आगे की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफल होने की शुभकामनाएं दीं।

नगर परिषद चुनाव : कांग्रेस ने तय की रणनीति कुसुम लता कुमारी को अध्यक्ष पद के लिए समर्थन

रामगढ़ : रामगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को ला मैरिटल होटल के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें आगामी रामगढ़ नगर परिषद चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पार्टी की रणनीति पर मंथन हुआ और यह निर्णय लिया गया कि रामगढ़ नगर परिषद का चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो रहा है, इसलिए कांग्रेस पार्टी समान विचारधारा वाले प्रत्याशियों को समर्थन देगी। बैठक में नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या 29, ग्राम कोठार निवासी कुसुम लता कुमारी को समर्थन देने पर सर्वसम्मति बनी। कांग्रेस नेताओं ने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे बुधवार, 4 फरवरी 2026 को कुसुम लता कुमारी के नामांकन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजाद अनवर, जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ममता देवी, प्रदेश कांग्रेस के सीपी संतन, धर्मराज राम, रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो, जिला प्रवक्ता मुकेश यादव, सुधीर मंगलेश, जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष दिनेश मुंडा, पंकज प्रसाद तिवारी, संजय साव, राजेंद्र नाथ चौधरी, संतोष सोनी, जाकिर अख्तर, सागर महतो सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

मंडल डैम निर्माण में तेजी के लिए प्रबंध निदेशक से मिले सांसद

पलामू : पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने मंगलवार को नई दिल्ली में वाप्कोस लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक शिल्पा सचिन शिंदे से मुलाकात की। उन्होंने पलामू प्रमंडलवासियों के लिए बहुप्रतीक्षित परियोजना उत्तरी कोयल जलाशय (मंडल डैम) के निर्माण कार्यो में तेजी लाने एवं परियोजना का निर्माण कार्य ससमय पूर्ण कराने पर विस्तृत चर्चा की। उल्लेखनीय है कि मंडल डैम का निर्माण कार्य वाप्कोस लिमिटेड कंपनी की ओर से किया जा रहा है। सांसद ने कुछ दिन पूर्व मंडल डैम निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण भी किया था। निर्माण कार्य दिसम्बर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण होने से झारखंड राज्य के पलामू प्रमंडल के तीनों जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार और बिहार राज्य के गया एवं औरंगाबाद जिले की सूखाग्रस्त भूमि को सिंचाई उपलब्ध होगी तथा लोगों को पेयजल के साथ–साथ औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल भी उपलब्ध होगा। सांसद ने अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक को जानकारी दी कि मोहम्मदगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम भजनियॉ (पोटो) शिवान 14 आर.डी. नहर पर पुल निर्माण नहीं होने से लगभग 20 गांव के लोगों को नहर पार कर आवगमन करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। पुल निर्माण कराने का अनुरोध किया। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक शिंदे ने कहा कि जनता की कठिनाईयों को देखते हुए पुल का निर्माण कराने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है।

एक नजर

+2 उच्च विद्यालय अमड़ापाड़ा में आयोजित मैट्रिक परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के +2 उच्च विद्यालय अमड़ापाड़ा में बुधवार को आयोजित मैट्रिक परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और कदाचाररहित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था और अनुशासन के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिसके कारण किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की कोई खबर नहीं मिली। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस परीक्षा में हेल्थ केअर विषय और अपैरल विषय में कुल 71 परीक्षार्थी शामिल हुए। सभी छात्रों ने निर्धारित समय के अंदर अपनी परीक्षा पूरी की। परीक्षा के सुचारू संचालन का श्रेय केंद्राधीक्षक सह प्रभारी प्राचार्य चंदन कुमार तथा समस्त शिक्षक-कर्मचारियों का अहम योगदान रहा। अधिकारियों और स्टाफ के समन्वित प्रयासों से यह परीक्षा आदर्श रूप से संपन्न हुई।

बंद पड़े मकान में अज्ञात चोरों ने की चोरी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिपुर में चोरों ने एक बंद मकान में चोरी कर ली। मामले की जानकारी मकान मालिक के घर पहुंचने पर हुई। पीड़ित मकान मालिक अमरेश कुमार झा ने नगर थाना में आवेदन देते हुए बताया कि 30 जनवरी की शाम को अपने निजी काम से बाहर गए थे। जहां 3 फरवरी की सुबह वापस घर लौटे तो मुख्य गेट का ताला लगा हुआ पाया। ताला खोल कर अंदर गए तो किचन व एक रूम का ताला टूटा हुआ पाया। किचन व रूम में रखा गैस सिलेंडर, रूम में रखा एक पुराना जेट पंप, रूम के कबड में रखा एक जोड़ा पांव का बिछिया, दो जोड़ा पायल व अन्य सामान गायब मिला। इधर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

बोरियो नवनिर्मित थाना भवन का उद्घाटन 11 को

साहिबगंज: बोरियो नवनिर्मित थाना भवन का उद्घाटन आगामी 11 फरवरी को जिले के एसपी अमित कुमार सिंह करेंगे। इसकी जानकारी थाना प्रभारी रोहित कुमार ने दी। उद्घाटन की तैयारी जोरों-शोरों से की जा रही है। उद्घाटन पर एक वॉलीबॉल मैच का भी आयोजन होगा।

नगरपालिका निर्वाचन-2026, के पांचवें दिन कूल 147 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन पत्र भरा गया

साहिबगंज: नगरपालिका निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नामांकन प्रक्रिया के पांचवें दिन साहिबगंज जिले के साहिबगंज नगर परिषद, राजमहल नगर पंचायत एवं बरहरवा नगर पंचायत हेतु अभ्यर्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक नामांकन किया गया। जहां परिषद एवं दो पंचायत मिला कर 147 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन पत्र भरा गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पदों के लिए नामांकन जमा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रही है। निर्वाचन कार्य में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं तथा अभ्यर्थियों एवं उनके समर्थकों द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। प्रशासन द्वारा नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय-सीमा के भीतर नामांकन पत्र क्रय एवं नामांकन दाखिल करने की अपील की गई है।

मिर्गी रोगियों के लिए निःशुल्क जांच शिविर में 139 मरीजों की स्क्रीनिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चाकूलिया में मंगलवार को परियोजना उल्लास के तहत मिर्गी रोगियों की पहचान और उपचार के उद्देश्य से एक दिवसीय निःशुल्क विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त के निर्देश पर मंगलवार को आयोजित इस शिविर में कुल 139 मरीजों की स्क्रीनिंग कर उन्हें निःशुल्क दवा और चिकित्सकीय सलाह दी गई। शिविर का निरीक्षण सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल ने किया और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि मिर्गी सहित मानसिक रोगों से पीड़ित मरीजों को समय पर पहचान कर नियमित उपचार उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। उल?लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से मिर्गी रोगियों की पहचान, उपचार और उन्मूलन के लिए परियोजना उल्लास के तहत लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले पहला शिविर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला, दूसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटमदा और तीसरा शहरी क्षेत्र के टीकौषधि भंडार, जेल चौक, साकची में सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। इसी क्रम में चाकूलिया सीएचसी में यह चौथा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का संचालन सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल और परियोजना उल्लास के नोडल पदाधिकारी सह जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी डॉ रंजीत कुमार पांडा के नेतृत्व में किया गया। शिविर में मरीजों को न केवल निःशुल्क स्क्रीनिंग और परामर्श दिया गया, बल्कि एक माह की दवा के साथ आने-जाने और भोजन की भी निःशुल्क व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई। परियोजना उल्लास को सफल बनाने में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ रंजीत कुमार पांडा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सीएचसी चाकूलिया डॉ रंजीत कुमार मुर्मू, जिला मानसिक स्वास्थ्य विभाग के मनोचिकित्सक डॉ दीपक कुमार गिरि सहित कई चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

आदित्यपुर में आग लगने से दो दुकानें जलकर राख, ट्रांसफार्मर बचने से टला बड़ा हादसा

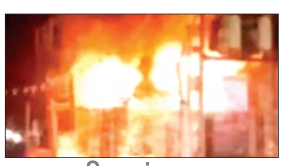

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत एस टाइप चौक पर सोमवार देर रात भीषण आगजनी की घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आई टाइप ब्लॉक के समीप स्थित ह्यबाबू पान दुकानह्न समेत दो दुकानें आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग इतनी भयावह थी कि कुछ देर के लिए पूरा क्षेत्र दहशत के साये में आ गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना सोमवार रात करीब 12 बजे की है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। देर रात का समय होने और दुकानें बंद रहने के कारण शुरूआत में किसी को आग लगने की जानकारी नहीं मिल सकी। इसी दौरान दुकानों के भीतर रखे पटाखों ने आग पकड़ ली, जिससे तेज-तेज धमाकों की आवाजें गूंजने लगीं। पटाखों के लगातार फटने से आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, जो दूर से ही दिखाई दे रही थीं। धमाकों और आग की भयावहता को देखकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर के लिए पूरे इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही एस टाइप क्षेत्र के निवासी एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजीव उर्फ बबुआ सिंह मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए तत्काल दमकल विभाग तथा स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

जमीन विवाद में पीट-पीट कर हत्या के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण सरफजगंज के कटहलबाड़ी भठ्ठा में मंगलवार के दोपहर जमीन विवाद में कार्तिक मंडल (40) की मौत की खबर मिलते ही मातम छा गया। इधर आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने उधवा-राधानगर आरईओ सड़क को जाम कर विरोध-प्रदर्शन करतें हुए अविलंब आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। हालांकि घटना के बाद कथित आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच डेहरी जमीन को लेकर सीमांकन पर विवाद चल रहा था। जिससे कार्तिक मंडल को पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल ले गए। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने जांच करने के उपरांत घायल कार्तिक मंडल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर सड़क जाम हटाने के लिए परिजनों व ग्रामीणों से वातार्लाप कर रहे थे। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि मृतक के बड़े भाई संतोष मंडल के द्वारा आवेदन दिया गया है, आवेदन में दिए गए सभी दोषी को अविलंब गिरफ्तार किया जायेगा। एक माह पहले आगलगी से बेघर हुए थे कार्तिक मंडल और आठ जनवरी के रात मनिहारी टोला भठ्ठा में हुए भीषण आगलगी में कार्तिक मंडल समेत 11 घर जलकर राख हो गया था। उस समय से ही इन अग्नि पीड़ित परिवारों पर दुखों का पहाड़ खड़ा हो गया था। हालांकि स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के सहयोगी से धीरे-धीरे पीड़ित परिवारों के चेहरे पर मुस्कान आ रहा था।

माघी मेला में श्रद्धालुओं के अधिकारों की अलख, विधिक सहायता स्टॉल बना सहारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी राजमहल में आयोजित सुप्रसिद्ध माघी मेला के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को केवल आध्यात्मिक शांति ही नहीं, बल्कि उनके अधिकारों के प्रति सजग करने की एक सराहनीय पहल की गई है। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मेला परिसर में एक विशेष विधिक सहायता एवं जागरूकता स्टाल लगाया गया है। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने स्टॉल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानूनी सहायता अब आपके द्वार की अवधारणा के तहत यह स्टॉल स्थापित किया गया है। गंगा स्नान के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं एवं स्थानीय आमजन को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना तथा उन्हें सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में अक्सर ग्रामीण एवं कमजोर वर्ग अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं, जिसे दूर करने का यह प्रभावी प्रयास है। स्टॉल की प्रमुख गतिविधियों में मौके पर कानूनी परामर्श प्रदान किया जा रहा है, जहां कानूनी समस्याओं या लंबित मामलों से जुड़े लोगों को पैरा लीगल वॉलंटियर्स-न्याय मित्रों द्वारा तत्काल उचित सलाह दी जा रही है। इसके साथ ही आम जनता को लोक अदालत, मध्यस्थता के लाभ, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित सख्त कानूनों तथा मौलिक अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। स्टॉल पर आने वाले लोगों के बीच कानूनी नियमों, सरकारी योजनाओं एवं प्रक्रियाओं से संबंधित पैम्पलेट एवं पुस्तिकाओं का वितरण भी किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे पेंशन, राशन, स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया एवं पात्रता की जानकारी दी जा रही है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

जनता दरबार लगाकर डीसी ने सुनीं आम जनों की समस्याएं, त्वरित समाधान का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी शिकायतकताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। जनता दरबार के दौरान विभागों से संबंधित अनेक शिकायतें उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गईं। उपायुक्त हेमंत सती ने मौके पर ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी प्राप्त आवेदनों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत को अनदेखा नहीं किया जाएगा और हर नागरिक को समयबद्ध एवं पारदर्शी समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त ने विशेष रूप से सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निष्पादन उपरांत उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को अनिवार्य रूप से समर्पित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और त्वरित होना चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके। ज्ञात हो कि साहेबगंज जिले में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को समाहरणालय में जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेवासी अपनी समस्याएं सीधे उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं।

डीसी ने जिले में संचालित एंबुलेंस सेवाओं का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में आमजन को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीसी हेमंत सती द्वारा समहरणालय परिसर में जिले के विभिन्न मदों से संचालित एंबुलेंसों को बुलाकर विस्तृत भौतिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य एंबुलेंस सेवाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन करना तथा उन्हें और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुचारू बनाना रहा। निरीक्षण के दौरान ओपीडी एंबुलेंस, कार्डियो एंबुलेंस तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल यूनिट एंबुलेंसों की गहनता से जांच की गई। डीसी ने एंबुलेंसों की तकनीकी स्थिति, उपलब्ध चिकित्सीय उपकरण, साफ-सफाई एवं संचालन व्यवस्था की समीक्षा की। साथ ही सभी एंबुलेंसों के रूट चार्ट की जानकारी ली गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यकता के समय एंबुलेंस समय पर और सही स्थान पर पहुंच सकें। डीसी ने ऐसे एंबुलेंस जो किसी कारणवश बंद पड़े हैं, उन्हें अविलंब दुरुस्त कर पुनः संचालन में लाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने एंबुलेंस सेवाओं की निगरानी हेतु एंबुलेंस डैशबोर्ड एवं एंबुलेंस डायरी को नियमित रूप से अद्यतन रखने का निर्देश दिया ।स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता एवं पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी ने एंबुलेंस कर्मियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने, सभी एंबुलेंसों में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) इंस्टॉल कराने तथा चालकों एवं सहायक कर्मियों का पहचान पत्र बनवाने का भी निर्देश दिया। इससे एंबुलेंस की ट्रैकिंग के साथ-साथ जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी सहित स्वास्थ्य एवं परिवहन विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में एंबुलेंस सेवा को जनहित में और अधिक सशक्त एवं भरोसेमंद बनाया जाए।

संक्षिप्त खबरें

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त

पाकुड़ : ज़िले में आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान पशुपालन विभाग से संबंधित, जमीन से संबंधित, जन्म तिथि में सुधार से संबंधित, स्वास्थ्य विभाग आदि से संबंधित एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी में मासिक समीक्षा हुई बैठक

साहिबगंज: तालझारी प्रखंड में 3 फरवरी 26, मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी के सभागार में डॉ रंजन कुमार की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक सह एच पी भी एवं एच आई एम एस एवं आगामी 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाले एमडीए कार्यक्रम पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें विस्तृत रूप से इस तीनों विषय पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नियमित संचालित मुद्दों पर भी समीक्षा किया और स्पर्श कुष्ठ पर भी चर्चा किया गया। आज के प्रशिक्षक प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम के द्वारा प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षण के विषय पर चर्चा किया गया। एमडीए कार्यक्रम पर केटीएस अभिषेक कुमार के द्वारा विस्तृत चर्चा किया गया। मौके पर मौजूद प्रखंड लेखपाल देवनारायण रविदास, सीएचओ एस्टर हेंब्रम, शुभम कुमार, एएनएम संगीता कुमारी, किशोरी सिन्हा, मेरीसोन हांसदा, अमृता पटेल, सहिया साथी मेरी कर्मकार, सजनी मुर्मू, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार, राजकुमार, सहित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

लापता मूक-बधिर युवती सकुशल बरामद

पूर्वी सिंहभूम: टाटानगर रेल पुलिस ने परसुडीह थाना क्षेत्र के ग्वालापट्टी से लापता हुई मूक-बधिर युवती को सकुशल चक्रधरपुर से बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। रेल पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई से परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस के प्रयासों की सराहना की। मंगलवार को रेल थाना प्रभारी तरुणा मिश्रा ने बताया कि युवती के लापता होने की सूचना उसकी मां ने रेल पुलिस को दी थी। शिकायत के साथ युवती की तस्वीर भी उपलब्ध कराई गई थी। सूचना मिलते ही रेल पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए टाटानगर रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि युवती इतवारी एक्सप्रेस में सवार हुई थी। इसके बाद रेल पुलिस के जवानों को ट्रेन के रूट पर सतर्क किया गया और कोचों की गहन तलाशी ली गई। लगातार निगरानी और समन्वय के बाद चक्रधरपुर स्टेशन पर युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवती को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया।

श्रम संहिताओं के विरोध में 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल

पूर्वी सिंहभूम: चार श्रम संहिताओं के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित देशव्यापी आम हड़ताल में बिहार-झारखंड सहित पूरे देश के मेडिकल एवं सेल्स प्रतिनिधि सक्रिय भागीदारी करेंगे। यह जानकारी बिहार झारखंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन तथा फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया के सेक्रेट्री पी. आर. गुप्ता ने दी। इसको लेकर मंगलवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। पी. आर. गुप्ता ने बताया कि 9 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और औद्योगिक महासंघों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वसम्मति से 12 फरवरी को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इन श्रम संहिताओं के जरिए 13 पुराने श्रम कानूनों को खत्म कर दिया गया है और जानबूझकर पेशा-विशेष से जुड़े नियम नहीं बनाए गए, जिससे नियोक्ताओं को श्रमिकों के शोषण का खुला अवसर मिल सके। इससे सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के अधिकारों पर सीधा हमला हुआ है। पी. आर. गुप्ता ने स्पष्ट किया कि सेल्स प्रमोशन एम्प्लॉइज एक्ट 1976 की सुरक्षा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को एफएमआरएआई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हड़ताल के दिन किसी भी प्रकार की सेल्स मीटिंग, कॉन्फ्रेंस, जॉइंट फील्ड वर्क, वर्चुअल मीटिंग या यात्रा कार्यक्रम निर्धारित न किए जाएं और कंपनियां रिपोर्टिंग सिस्टम में "स्ट्राइक" रिपोर्ट करने का विकल्प उपलब्ध कराएं, ताकि कर्मचारी अपने लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग कर सकें।

मोदी सरकार में बिहार को रिकॉर्ड रेल बजट, 11 वर्षों में 2000 KM मिली नई रेल लाइन रेल मंत्री ने कहा

पटना। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मोदी सरकार में बिहार का रेल बजट नौ गुना बढ़ा है। 11 वर्षों में 2000 किमी नई रेल लाइन, पूर्ण विद्युतीकरण, हाई-स्पीड कॉरिडोर और स्टेशनों के पुनर्विकास से राज्य की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बजट 2026-27 में बिहार के लिए रेल परियोजनाओं को रिकॉर्ड आवंटन देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे के लिए कुल 2,78,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटित किया गया है। हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से बदलेगी देश की कनेक्टिविटी दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन को बढ़ावा देने के लिए सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को ह्यग्रोथ कनेक्टर्सह्ल के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। इन कॉरिडोरों से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आने और निर्बाध बहु-माध्यमीय आवागमन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई है। वाराणसी-सिलीगुड़ी और दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर की खासियत

उत्तरी और पूर्वी भारत के लिए प्रस्तावित वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से यह यात्रा लगभग 2 घंटे 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। वहीं दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड कॉरिडोर से लगभग 3 घंटे 50 मिनट में सफर संभव होगा। रेल मंत्री ने कहा कि इससे पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली को जोड़ने वाला एक नया आर्थिक कॉरिडोर विकसित होगा। बिहार में रेल बजट में नौ गुना वृद्धि का दावा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच बिहार में रेलवे विकास के लिए औसतन 1,132 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष आवंटित होते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में इसे बढ़ाकर वर्ष 2026-27 में 10,379 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछली अवधि की तुलना में लगभग नौ गुना अधिक है। आधारभूत संरचना और स्टेशनों का पुनर्विकास उन्होंने कहा कि बिहार में 1,09,158 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे की आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इसके साथ ही 3,287 करोड़ रुपये की लागत से राज्य के 98 अमृत भारत स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें थावे और पीरपैंती स्टेशन का कार्य पूरा हो चुका है। नई ट्रेन सेवाएं और पूर्ण विद्युतीकरण रेल मंत्री के अनुसार बिहार में 14 जोड़ी वंदे भारत और 21 जोड़ी अमृत भारत ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जबकि पटना और जयनगर के बीच नमो भारत एक्सप्रेस भी चल रही है। वर्ष 2014 से अब तक बिहार में 2000 किलोमीटर नई रेल लाइन का निर्माण किया गया है, जो लगभग मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर बताया गया। इसी अवधि में 3330 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण कर राज्य में रेलवे का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा 568 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण भी पूरा हो चुका है। पूर्व मध्य रेल के अधिकारियों ने दी बजट की जानकारी

रेल मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने भी बजट में रेलवे के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी संवाददाताओं को दी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

शिक्षक स्थानांतरण, डिग्री कॉलेज और खनन माफिया पर सरकार का बड़ा एलान

पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत हंगामे के साथ हुई। विपक्षी दलों ने बोलने के लिए समय की मांग की, जबकि सरकार ने शिक्षा व्यवस्था और खनन माफिया पर कड़ा रुख अपनाने की बात सदन में रखी। बिहार विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत होते ही सदन में विपक्षी दलों के विधायकों ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष के नेता बोलने के लिए समय की मांग को लेकर अपनी-अपनी सीटों से खड़े हो गए और सदन में शोर-शराबा शुरू कर दिया। स्थिति को संभालते हुए बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विपक्षी सदस्यों को शून्य काल में समय देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद सदन का माहौल शांत हुआ। हाथ जोड़कर नीतीश कुमार से मिले अनंत सिंह इसके बाद सदन की कार्रवाई शपथ ग्रहण से शुरू हुई। सर्वप्रथम मोकामा से विधायक अनंत सिंह ने शपथ ली। शपथ लेने के बाद अनंत सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिले। इस दौरान वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बातचीत करते हुए हाथ जोड़कर कुछ देर तक खड़े रहे। इसके बाद सदन की आगे की कार्यवाही विधिवत रूप से शुरू हुई।

बिहार के सभी प्रखंडों में खुलेगा डिग्री कॉलेज सदन में बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षक स्थानांतरण और उच्च शिक्षा के विस्तार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक कुल 1 लाख 27 हजार 240 शिक्षकों का स्थानांतरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि बिहार के विभिन्न जिलों के प्रखंडों में अब तक 213 स्थानों पर डिग्री कॉलेज खोले जा चुके हैं। शेष बचे प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोलने के लिए संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों से भूमि उपलब्ध कराने की मांग की गई है। सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों के भीतर सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोलने की योजना को पूरा करना है। विपक्षी दलों ने किया सवाल हालांकि, विपक्षी दलों ने शिक्षक स्थानांतरण की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए। विपक्ष का कहना था कि कई शिक्षकों को अपने गृह जिले से 300 से 500 किलोमीटर दूर स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बना रही है, जबकि प्रभावित शिक्षकों में बड़ी संख्या महिला शिक्षकों की भी है। इसी बीच सदन की कार्रवाई के दौरान बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने खनन माफियाओं पर सख्त रुख अपनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बिहार में खनन माफियाओं का अब खैर नहीं है और ऐसे लोगों पर हर हाल में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ओवरलोड वाहनों के मामले में देश में बिहार पहले स्थान पर है, जिसे गंभीरता से लिया जा रहा है।

खनन माफियाओं और ओवरलोडिंग पर लगाम लगाने के लिए उड़न दस्ता टीम का गठन किया जा रहा है।

इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने सदन में यह भी घोषणा की कि बड़े वाहनों में ओवरलोडिंग का वीडियो भेजने वालों को 10 हजार रुपये और ओवरलोड ट्रैक्टर का वीडियो भेजने वालों को 5 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले भी इस योजना के तहत लोगों को इनाम दिया जा चुका है। बजट सत्र के पहले दिन सदन में हंगामा, घोषणाएं और आरोप-प्रत्यारोप के बीच कार्यवाही आगे बढ़ी, जिससे आने वाले दिनों में सत्र के और अधिक गरम रहने के संकेत मिले।

बिहार बजट में क्या बदलेगी नीतीश कुमार सरकार? पेश होने से पहले जानें इसका प्रारूप

पटना। बिहार विधानसभा में वित्त मंत्री बिजेंद्र यादव मंगलवार को 2026-27 का बजट पेश करेंगे। इसमें विभागों का बजट बहुत बदलने की उम्मीद नहीं है। जिन कारणों से बजट आवंटन पर असर पड़ेगा, वह सीएम नीतीश कुमार ने डेढ़ महीने पहले बता दिया था। बजट तैयार करने में समय लगता है। पुराना हिसाब-किताब भी तैयार होता है और आगे की तैयारियां भी बतानी होती हैं। राज्य बजट में सस्ता-महंगा होने की संभावना वहीं रहती है, जहां राज्य अपनी ओर से टैक्स लगाता है। जैसे-सरकार चाहे तो वैट में बदलाव कर पेट्रोल-डीजल को सस्ता कर दे। बाकी, राज्य बजट विभागीय खर्चों और विकास योजनाओं पर केंद्रित रहता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में किन बातों पर सरकार का फोकस रहेगा, यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिसंबर 2025 में ही बता दिया था। यह तय है कि बिहार बजट नीतीश कुमार के सात निश्चय-3 के हिसाब से ही तैयार किया गया है। दिसंबर से ही बजट की तैयारी शुरू हुई थी सीएम नीतीश कुमार बिहार के विकास की योजनाएं एक पैकेज के रूप में जारी करते रहे हैं। सात निश्चय एक और दो के तहत आधारभूत संरचनाओं के विकास पर फोकस किया गया था तो जब दिसंबर 2025 में नीतीश ने सात निश्चय-3 की घोषणा की तो उसमें रोजगार, उद्योग-उद्यम, उत्पादन, सुविधा और राज्य की छवि पर फोकस किया। बिहार विधानसभा में पेश होने जा रहा बजट इसी पर केंद्रित होगा। इसकी तैयारी राज्य में नई सरकार के गठन के एक महीने बाद तब ही शुरू हो गई थी, जब सीएम नीतीश कुमार ने सात निश्चय- 3 का एलान किया था। बजट का पहला आधार, सात निश्चयों में पहला- रोजगार सात निश्चय-3 का पहला निश्चय ह्यदोगुना रोजगार- दोगुनी आय रखा गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन ही रहा। लोगों के बीच चर्चा में यही था और सरकार को इसी पर घिरने का डर भी लग रहा था। 202 सीटों के साथ मजबूत सरकार में आते ही नीतीश कुमार ने राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना करने के लिए कई कार्यक्रमों एवं योजनाओं को लागू करने की जानकारी दी। साथ ही, बता दिया कि सात निश्चय-3 का पहला निश्चय ह्यदोगुना रोजगार- दोगुनी आयह्ल रखा जाएगा। इसलिए, विभागों में नौकरियां और रोजगार सृजन के नाम पर इस बार का बजट आवंटन प्रमुख रूप से निर्भर होगा। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दिए 10-10 हजार और उसके बाद अब दो लाख रुपए की सहायता अगले चरण में देना इस बजट में पहली बार जुड़ा हुआ दिखेगा। रोजगार और स्वरोजगार के लिए बजट आवंटन स्पष्ट तौर पर दिखेगा। बजट आवंटन का दूसरा आधार- उद्योग विस्तार 'अमर उजाला' से विशेष बातचीत में चुनाव से पहले जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि नई सरकार बिहार में उद्योगों पर बहुत बड़ा काम करेगी, जिसकी घोषणा जीत के बाद की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सात निश्चय-3 के एलान में इसे दूसरे नंबर पर रखा था। उन्होंने ह्यसमृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार का प्रण लेते हुए बिहार को पूर्वी भारत का नया प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने, राज्य में विश्वस्तरीय कार्य स्थल तैयार करने और प्रतिष्ठित उद्यमियों व प्रतिभाशाली युवाओं को राज्य के अंदर उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही थी। इस दिशा में काम शुरू भी कर दिया गया। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन उच्चस्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। बजट में इस काम के लिए किन विभागों को क्या-क्या बजट मिलता है, यह देखना होगा। राज्य में गन्ना एवं कृषि प्रसंस्करण उद्योग पर सरकार अपना पूरा जोर पहले ही बता चुकी है। कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार को ध्यान में रखते हुए चौथे कृषि रोड मैप पर भी बजट आवंटन होगा।

सात निश्चय में तीसरा नंबर कृषि को ही सीएम ने रखा था और इसकी योजनाएं भी बताई थीं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ह्यउन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य और ह्यसुलभ स्वास्थ्य- सुरक्षित जीवन को सात निश्चय-3 में प्रमुखता से जगह दी थी। यही कारण है कि इस बार उच्च और व्यावसायिक शिक्षा को लेकर बजट पर सभी का ध्यान है। इसके अलावा, प्रखंड स्तर पर विशिष्ट चिकित्सा केंद्रों तथा जिला स्तर पर अति विशिष्ट चिकित्सा सुविधाओं के लिए इस बजट में किसपर जोर पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आमजन से सीधा सवाल किया था योजनाबद्ध आवासन से लेकर एक्सप्रेस-वे तक के लिए बजट आवंटन करेगी। खेल और पर्यटन जैसे मनोरंजन के अलावा आम जनजीवन को आसान करने वाले उपायों पर भी बजट प्रावधान के आसार हैं। कि 2024 में लौटी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के विभागों को बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नवंबर 2025 में नए मंत्रिपरिषद् में बांटा गया तो बहुत कुछ बदल गया।

ऑटो सटने के विवाद ने लिया हिंसक रूप, गोलीबारी में 60 साल की महिला गंभीर घायल; आरोपी गिरफ्तार

पटना।सूर्यगढ़ा बाजार में ऑटो सटने से शुरू हुआ विवाद गांव तक पहुंचकर हिंसक हो गया। इसे लेकर हुई गोलीबारी में 60 वर्षीय बंदना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा बाजार में ऑटो सटने को लेकर शुरू हुआ विवाद सोमवार को हिंसक झड़प में बदल गया। दो ऑटो चालकों के बीच पहले बाजार में कहासुनी, गाली-गलौज और मारपीट हुई, जो बाद में गांव तक पहुंच गई और स्थिति और गंभीर हो गई। दोपहर में शुरू हुआ तनाव, शाम को बढ़ी हिंसा जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सूर्यगढ़ा बाजार में ऑटो चालक सुगन यादव और मनु यादव के बीच ऑटो सटने को लेकर विवाद हुआ था। बाजार में मारपीट के बाद दोनों अपने-अपने घर लौट गए, लेकिन शाम होते-होते तनाव फिर से उभर आया। हथियार के साथ घर पहुंचने का आरोप आरोप है कि शाम करीब 5 बजे सफियासराय थाना क्षेत्र के प्रेम टोला फरदा गांव में मनु यादव नशे की हालत में हथियार लेकर सुगन यादव के घर पहुंचा और जान से मारने की धमकी देने लगा। इसी दौरान लोहे के सरिया से हमला किया गया, जिसमें सुगन यादव का हाथ जख्मी हो गया। गोलीबारी में महिला घायल घटना के दौरान हुई फायरिंग में गोली सुगन यादव की बड़ी मां, दिवंगत भुटो यादव की पत्नी 60 वर्षीय बंदना देवी के दाहिने जांघ में लग गई। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और मौके पर अफरातफरी मच गई। परिजनों ने घायल महिला को तत्काल मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें बेगूसराय रेफर कर दिया। नशे की हालत में हमला करने का आरोप घटना को लेकर परिजनों का कहना है कि मनु यादव ने नशे की हालत में उनके घर पर हमला किया। फायरिंग के दौरान बंदना देवी सामने आ गईं और गोली उन्हें लग गई। बाद में ग्रामीणों की मदद से मनु यादव को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरफ्तार आरोपी मनु यादव ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उसका कहना है कि विवाद दोनों परिवारों के बीच हुआ था और गोली किसने चलाई, इसकी उसे जानकारी नहीं है। उसने यह स्वीकार किया कि वह हावड़ा से शराब लाया था और घर पर पी थी। सफियासराय थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि सूर्यगढ़ा बाजार में शुरू हुआ विवाद घर तक पहुंच गया था, जहां मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित पक्ष से आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

प्रगति ने संभाली बिहार महिला क्रिकेट टीम की कमान, पहाड़ी चक जैसी ग्रामीण सीमाओं को तोड़कर पेश की मिसाल

पटना। सारण के पहाड़ी चक गांव की प्रगति सिंह को बिहार महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी मिली है। सीमित संसाधनों से निकलकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनका नेतृत्व ग्रामीण बेटियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरा है। सीमित संसाधनों और ग्रामीण चुनौतियों के बीच पले-बढ़े सपनों को हकीकत में बदलने की मिसाल सारण जिले के सोनपुर प्रखंड अंतर्गत पहाड़ी चक गांव की बेटी प्रगति सिंह ने पेश की है। ललन सिंह की पुत्री प्रगति सिंह को बिहार स्टेट वूमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जो आगामी प्रतियोगिता में भुवनेश्वर में टीम का नेतृत्व करेंगी। यह उपलब्धि केवल खेल के क्षेत्र में सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में बदलाव का प्रतीक भी मानी जा रही है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतर्राज्यीय क्रिकेट में पहचान बनाना और अब राज्य टीम की कमान संभालना, प्रगति की मेहनत और जज्बे को दर्शाता है। सारण ही नहीं, पूरे बिहार के लिए यह एक गर्व का क्षण है। पांच वर्षों की मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम पिछले पांच वर्षों से सारण जिला क्रिकेट संगठन से जुड़ी प्रगति सिंह ने कठिन परिस्थितियों में निरंतर अभ्यास करते हुए खुद को एक सशक्त ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया है। बाएं हाथ की सधी हुई बल्लेबाजी और प्रभावशाली गेंदबाजी ने उन्हें टीम का भरोसेमंद खिलाड़ी बनाया है। इससे पहले भी वह बिहार टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें पहली बार सौंपी गई है। कप्तानी में दिखेगा संयम और अनुशासन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि प्रगति सिंह का संयमित स्वभाव, अनुशासन और खेल की गहरी समझ टीम को एकजुट रखने में मदद करेगी। उनके नेतृत्व में बिहार महिला क्रिकेट टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। गंगा और गंडक नदी के तट पर बसे सोनपुर के पहाड़ी चक गांव से निकलकर बिहार महिला टीम की कप्तान बनना, उन तमाम ग्रामीण बेटियों के लिए प्रेरणा है जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को अधूरा मान लेती हैं। प्रगति सिंह की सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत और आत्मविश्वास के सामने परिस्थितियां भी हार मान लेती हैं।

संक्षिप्त डायरी

छपरा-पटना मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन ने युवक को रौंदा, हादसे में बुझा घर का इकलौता चिराग

पटना। छपराझ्रपटना मुख्य मार्ग पर पुरानी पट्टी पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से 22 वर्षीय अजीत कुमार की मौत हो गई। पुलिस जांच में जुटी है, सीसीटीवी से वाहन की पहचान की जा रही है। वहीं, परिवार शोक में डूब गया है। बिहार के छपराझ्रपटना मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी पट्टी पुल के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक की पहचान भैरोपुर गांव निवासी ज्योतिष मांझी के इकलौते पुत्र अजीत कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि अजीत कुमार अपने गांव भैरोपुर से शीतलपुर बाजार किसी आवश्यक कार्य से जा रहा था। इसी दौरान पुरानी पट्टी पुल के पास यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद चालक फरार प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि अजीत कुमार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और दरियापुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटी हुई है। संबंधित थाने की पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, अजीत कुमार अपने माता-पिता का इकलौता सहारा था। उसकी असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। मां का रो-रो कर बुरा हाल है, जबकि पिता बदहवास स्थिति में नजर आ रहे हैं। गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। शोक संवेदना और मुआवजे की मांग प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष तरुण तिवारी ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढ़स बंधाया। उन्होंने जिला और अंचल प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और हर संभव सहायता देने की मांग की।

बीपीएससी ने जारी किया वार्षिक कैलेंडर; देखें सीसीई-एएसओ और एईडीओ मेंस समेत 50 भर्ती परीक्षाओं की तारीख

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग ने 2026 के लिए अपना परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इसमें सीसीई और एएसओ समेत 50 भर्ती परीक्षाओं की संभावित तिथियां दी गई हैं। बिहार लोक सेवा आयोग (इढरउ) ने 2026 के लिए अपना परीक्षा कैलेंडर वेबसाइट पर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में साल भर होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं की अनुमानित तिथियां दी गई हैं। बीपीएससी के 2026 के परीक्षा कैलेंडर में एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (उउए) के साथ 71वें और 72वें चक्र की बहु-स्तरीय भर्तियां शामिल हैं। इढरउ के कैलेंडर के अनुसार 70वीं और 71वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (उउए) की मुख्य परीक्षाएं और इंटरव्यू वर्ष 2025-26 में होंगे, जबकि 72वीं उउए की प्रारंभिक परीक्षा 26 जुलाई 2026 को प्रस्तावित है। 33वीं न्यायिक सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा 30 मई 2026 और अढड परीक्षा 15 जुलाई 2026 को होने की संभावना है। शिक्षा क्षेत्र में भी कई बड़ी भर्तियां होने वाली हैं, जैसे सिमुलतला आवासीय विद्यालय, जमुई में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती, विशेष शिक्षक (7279 पद), और सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (935 पद)। मेडिकल कॉलेजों, आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथिक और तकनीकी शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के हजारों पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी इस कैलेंडर में शामिल है। इन पदों की परीक्षाओं और इंटरव्यू की तिथियां विभागीय दिशा-निर्देश जारी होने के बाद निर्धारित की जाएंगी।

आधी रात को दो घरों में घुसे चोर, परिवार को बाहर से बंद कर 12 लाख की संपत्ति लेकर हुए फरार

पटना। अहियापुर थाना क्षेत्र के जलालाबाद गांव में आधी रात चोरों ने दो सगे भाइयों के घरों को निशाना बनाया। परिवार को बाहर से बंद कर 12 लाख की ज्वेलरी और नकदी चोरी की गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जलालाबाद गांव में चोरों ने सुनियोजित तरीके से बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। आधी रात के बाद घर में घुसे चोरों ने गृह स्वामियों और उनके परिवार को बाहर से बंद कर दिया और लाखों की संपत्ति लेकर फरार हो गए। दो सगे भाइयों के घर बने निशाना चोरों ने एक साथ दो घरों को निशाना बनाया, जिनके मालिक आपस में सगे भाई हैं। पीड़ित गृह स्वामी नीरज प्रसाद और शंभू प्रसाद के घरों से ज्वेलरी और नकदी की चोरी की गई है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। पीड़ित नीरज प्रसाद की पत्नी ने बताया कि देर रात चोर घर के पीछे से सीढ़ी लगाकर छत के रास्ते अंदर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया और अंदर सो रहे लोगों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया। 12 लाख की संपत्ति पर हाथ साफ चोरी के बाद जब परिवार शादी समारोह से लौटकर घर पहुंचा तो सारा सामान बिखरा हुआ मिला। दोनों घरों से करीब 12 लाख रुपये की संपत्ति की चोरी हुई है। पीड़िता के अनुसार, उनकी और उनकी मां की कीमती ज्वेलरी के साथ नकदी भी चोर ले गए। घटना के समय घर में केवल बुजुर्ग मां और दो बच्चे मौजूद थे, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। पुलिस जांच में जुटी, एफएसएल टीम की मदद घटना की सूचना मिलते ही अहियापुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी रोहन कुमार ने बताया कि दो घरों में चोरी की पुष्टि हुई है और एफएसएल टीम की मदद ली जा रही है। दोनों घरों के पास लीची का बागान है, आशंका है कि चोर इसी रास्ते घर में दाखिल हुए होंगे। पुलिस ने जल्द ही मामले के खुलासे का दावा किया है।

होली से पहले बांका में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई

पटना। बांका में भलजोर चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग ने एक ट्रक से 1134 पेटी विदेशी शराब जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। होली से पहले की गई इस कार्रवाई से शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है और तस्करी नेटवर्क की जांच जारी है। होली पर्व के मद्देनजर जिले में अवैध शराब की आपूर्ति रोकने के लिए बांका उत्पाद विभाग द्वारा की जा रही सख्ती रंग लाई है। शराब माफिया द्वारा भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप जिले में पहुंचाने की कोशिश को उत्पाद विभाग ने समय रहते विफल कर दिया। भलजोर चेक पोस्ट पर गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई दुमकाझ्र भागलपुर मुख्य मार्ग स्थित भलजोर चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड की ओर से अवैध शराब की खेप ट्रक के जरिए बिहार के अन्य जिलों में भेजी जा रही है। सूचना मिलते ही उत्पाद विभाग ने पुलिस बल के सहयोग से सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया। भागने की कोशिश, पीछा कर पकड़ा गया ट्रक जांच के दौरान दुमका की ओर से आ रहे एक 12 चक्का ट्रक को रुकने का इशारा किया गया,

करियर चयन में मददगार है साइकोमीट्रिक असेसमेंट

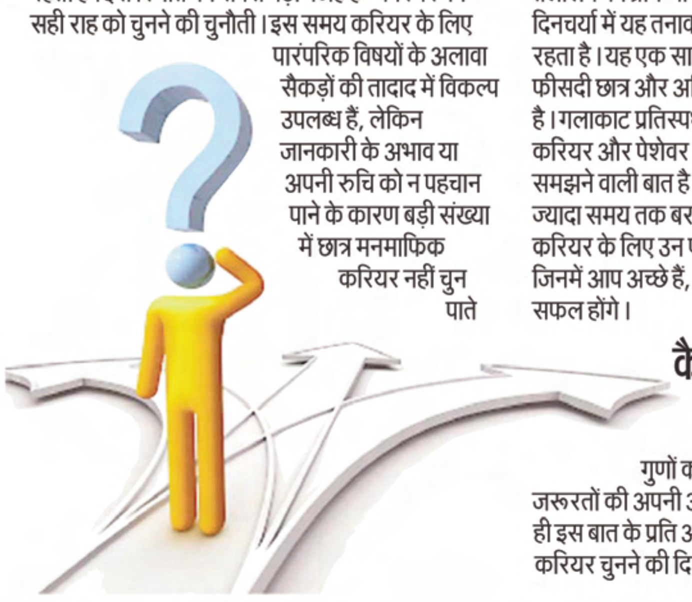

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है-करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते हैं। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है।

करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

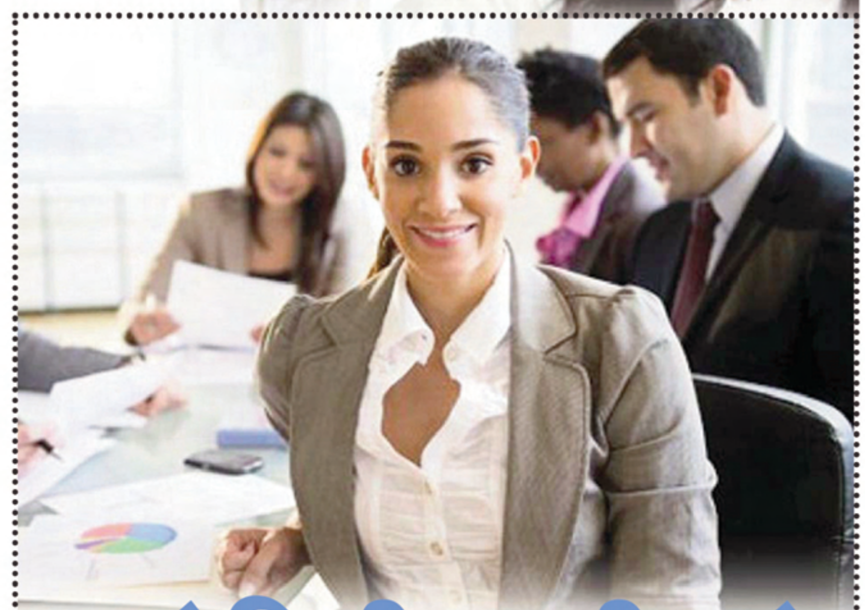

लोकप्रियता के मामले में साइंस के बाद दूसरे स्थान पर है कॉमर्स

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाईऔर रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स – इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग – इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग – इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग– यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस – इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है।

इनकम टैक्स – इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ – व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग – यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन – यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।
- रचनात्मकता के साथ उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता हो।

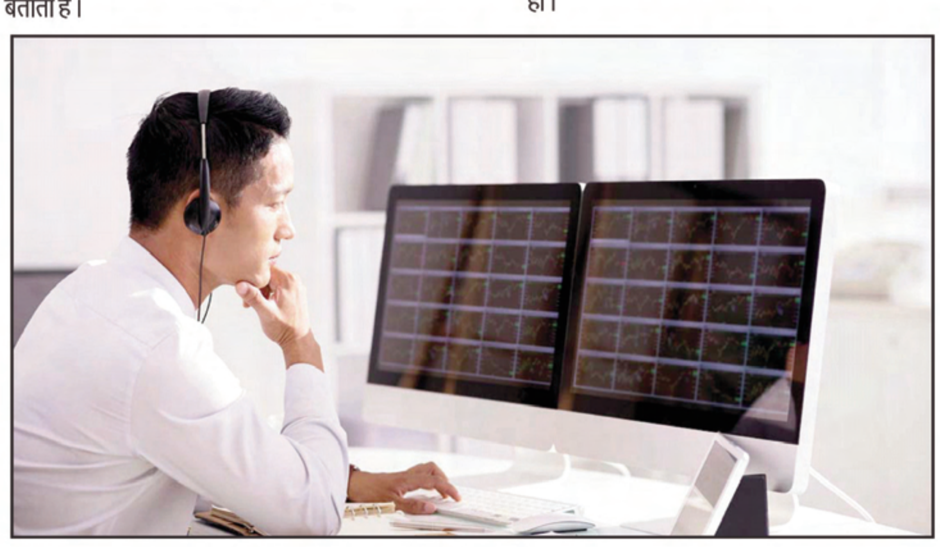

ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम में बना सकते हैं करियर

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं।

ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग ● प्रोग्राम प्लानिंग ● टीचिंग
- रिसर्च ● इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन ● सोशल वर्क
- मैनेजमेंट ● इंफॉर्मेशन ● जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी ● एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर ● जियोग्राफी ● एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन ● लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स ● फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस ● साइकोलॉजी

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में आज अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का बुधवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतने वाली भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम ने अब तक पांच बार 2000, 2008, 2012, 2018, 2022 में ये खिताब जीता है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर छठे खिताब की ओर कदम बढ़ाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले के मुकाबल में पाकिस्तान को हराया था जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रनों की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम इसके बाद भी इस मैच को हल्के में नहीं लेगी। इसका कारा है कि अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एक ही मैच में श्रीलंका ने हराया था। उसके खिलाड़ियों ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाये हैं। ये दोनो ही ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे। कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 196 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक लगाये हैं। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा ने अब तक ?(पांच मैचों में 172 रन बनाये हैं जिसमें ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया शतक 109 रन भी शामिल हैं।

कप्तान आयुष म्हात्रे और आरोन जॉर्ज को अत तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं और टीम को इनसे इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। आयुष ने पांच मैचों में केवल 99 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज आरोन ने तीन पारियों में केवल 46 रन बनाये हैं।

आयुष ने हालांकि गेंदबाज़ी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। टीम की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के पास रहेगहै। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी खिलन पटेल के पास रहेगी। पटेन ने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महबूब खान की कप्तानी में अफगान टीम भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत अंडर-19: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लह जादरान, जैतुल्लह शाहीन।

जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने अभ्यास मैच में अमेरिका को हराया

नवी मुम्बई (एजेंसी)। नारायण जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही अभ्यास मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 38 रनों हरा दिया। इस मैच से बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी टीम में अच्छी वापसी की है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज जगदीशन ने केवल 55 मैचों में ही 104 रन बना दिये। अपनी इस पारी मे जगदीशन ने 11 चौके और 5 छक्के लगाये और अमेरिकी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 238 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 19.4 ओवर में ही 200 रनों पर ही आउट हो गयी। उसकी ओर से इस मैच में अमेरिकी टीम की ओर से भारतीय मूल के बल्लेबाज संजय कृष्णमूर्ति ने 18 गेंदों में 41 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने नाबाद 60 रन 26 गेंद पर बनाए। तिलक वर्मा ने भी वापसी की और 38 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से 13 गेंद पर 28 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस मैच में वापसी करते हुए तिलक ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक ने स्पिनरों हरमीत सिंह और नोस्तुश केनजीगे के खिलाफ दो जोरदार छक्के लगाये। तिलक ने इसके बाद गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया और एक और कैच भी पकड़ा।

टी20 विशकवप में सलामी बल्लेबाज पर फैसला 7 फरवरी को होगा : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसका फैसला सात फरवरी को अमेरिक के खिलाफ होने वाले पहले मैच में हो जाएगा। भारतीय टीम में इसके लिए संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे दावेदार है पर जिस प्रकार से सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में असफल रहे हैं। उससे तय है कि अभिषेक के साथ पारी शुरु करने की जिम्मेदारी ईशान को ही मिलेगी। सैमसन जहां सीरीज के पांच मैचों में केवल 46 रन बना पाये। वहीं ईशान ने एक शतक और अर्धशतक सहित करीब 250 रन बनाये थे। ऐसे में सैमसन का दावा काफी कमजोर हो गया है। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि पारी की शुरुआत कौन करेग। अभी इसपर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि ईशान और सैमसन दोनों ही अंतिम ग्यारह के दावेदार हैं। टीम प्रबंधन सभी पक्षों पर ध्यान देने के बाद अंतिम फैसला करेगा।

कप्तान ने का कि बल्लेबाज तिलक वर्मा भी फिट हो गये हैं और वह मध्यक्रम में अपनी जगह पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में दल के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह पाने के दावेदार हैं, जिससे चयन और भी कठिन हो गया है। सूर्यकुमार ने टीम अपनी आक्रमक रणनीति पर चलेगी। इसलिए शीर्ष क्रम को आक्रामक होकर ही खेलना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। साथ ही कहा कि गेंदबाजी की जिम्मेदारी, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल पर रहेगी।

वहीं हार्दिक पांड्या के अलावा शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा को भी गेंदबाजी दी जा सकती हैं। ऐसे में टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत संयोजन बनाएगी। कप्तान ने कहा कि घरेलू हालातों में खेलने पर दबाव आता है पर खेल में ये चलता रहता है। उनका प्रयास टीम की खिताब बरकरार रखने में सहायता करना रहेगा। उन्होंने कहा कि अभिषेक , ईशान अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अनुसार खेलने को कहा है।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

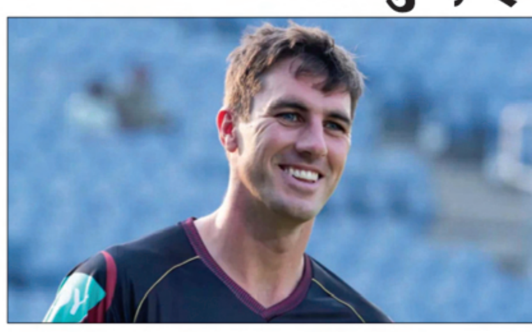

उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा। इसके बाद वह अगले साल मार्च में मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज, एकदिवसीय विश्व कप और जून में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होगा। कमिंस ने कहा, हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। अगर मैं अभी इसको लेकर सतर्कता नहीं बरतता तो समस्या बढ़ सकती थी। कमिंस को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

वेस्टइंडीज को विश्वकप में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी : कोच सैमी

जमैका ।वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी अपनी टीम के प्रदर्शन से निराश हैं।सैमी के अनुसार उनकी टीम को अगर टी20 विश्वकप जीतना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।सैमी के अनुसार उनकी टीम को हाल में दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के अलावा अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था।इससे साफ है कि खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उन्हें काफी सुधार करने होंगे।उसके गेंदबाजों को विरोधी टीम के खिलाफ तीन मैचों में केवल 10 विकेट ही मिल पाये थे।पहले दो मैचों में ही टीम ने 401 से अधिक रन दे दिये थे।ऐसे में कोच का कहना है कि सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करेगा।उनका प्रदर्शन से ही तय होगा कि टीम कहां तक पहुंचेगी। कोच कहा, उम्मीद है, हम ऐसा क्रिकेट खेल पाएंगे, जिससे हमें जीतने में सहायता मिले।जैसा कि मैंने पहले कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।मुझे पता है कि गेंदबाजी में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी।हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नई योजना के साथ उतरेंगे।सैमी साल 2012 और 2016 में वेस्टइंडीज की टीम ने विश्व कप जीता था, तो उस समय सैमी भी टीम में शामिल थे।उनका मानना है कि इस बार के विश्व कप के लिए बल्लेबाजी ईकाई अच्छी है पर गेंदबाजी में परेशानी हैं।सैमी ने कहा, मैं बल्लेबाजी के तरीके से खुश हूं।मैं चाहूंगा कि स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी करें।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हमार स्पिनर बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।।

आईसीसी पाकिस्तान बोर्ड पर प्रतिबंध लगाये : गावस्कर

मुम्बई ।भारतय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत के खिलाफ मैच खेलने से इंकार किया है।ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाना चाहिये। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि टीम टी20 विश्व कप खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी। उसने पाक बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच का बहिष्कार करनके को कहा है।पाक के इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है यहां तक कि उसके खिलाड़ी भी इससे सहमत नहीं हैं।गावस्कर भी इससे बेहद नाराज हैं।उन्होंने आईसीसी से अपील की है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के लिए पीसीबी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। भारत-पाक का मुकाबला 15 फरवरी को श्रीलंका के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।इसके लिए पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल के तहत ही कोलंबो में खेलने का अवसर मिला पर अपनी अड़ियल रवैये और बांग्लादेश का साथ देने की जिद को लेकर पाक सरकार ने मैच खेलने से इंकार किया है। गावस्कर का मानना है कि आईसीसी को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिये। जिससे अन्य टीम के सामने मिसाल पेश की जा सके।

रायडू को भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीद

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भारतीय टी20 टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस बार भी वह खिताब जीत सकती है। भारतीय टीम ने पिछल बार वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए विश्वकप को जीता था। जिससे वह इस बार भी बरकरार रखना चाहेगी। रायडू के अनुसार जिस प्रकार से भारतीय टीम अच्छे फार्म में है। उससे वह अपना विश्वकप खिताब बरकरार रखने में सक्षम नजर आती है। भारतयी टीम ने जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की सीरीज में खेला है उससे रायडू बेहद प्रभावित हैं। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती है। रायडू ने कहा कि टीम का आत्मविश्वास, रुख और निडर क्रिकेट यह दिखाता है कि भारत आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार है। रायडू ने कहा कि इस भारतीय टीम की सोच बाकी टीमों से अलग है। उनके अनुसार, खिलाड़ी बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं और यही निडरता उन्हें आक्रामक बनाती है। इसलिए भारतीय टीम के पास वह सब है जो विश्वकप जीतने के लिए चाहिये। ऐसे में अगर टीम सही दिशा में रहीं, तो 2026 में भी भारतीय टीम ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया नई दिल्ली में नामीबिया, कोलंबो में पाकिस्तान और अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच खेलेगी।

भारत-पाक मैच नहीं होने से दोनो ही बोर्ड को 200-200 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं क्योंकि भारत-पाक मैच के रोमांच के कारण सबसे अधिक राजस्व इसी मैच से मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस मैच से तकरीबन 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,500 करोड़ रुपये) की आय होने की संभावना थी। इसमें प्रसारण अधिकार, विज्ञापन, प्रायोजन राशि, टिकट बिक्री आदि से होने वाली आया शामिल है। दुनिया में किसी भी दूसरे क्रिकेट मैच से इतनी अधि कमाई नहीं होती है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने पर में भारत और पाकिस्तान दोनों ही बोर्ड को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान होने की संभावना है। सकता है.

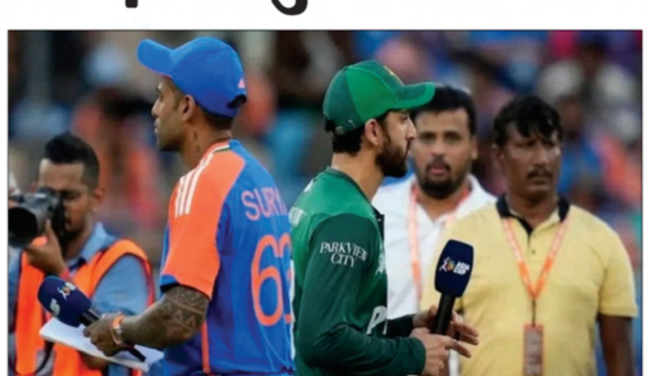

इसमें टीवी और डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग से होने वाली आय भी शामिल है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान टी20 मैच के लिए विज्ञापन दरें विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा होती हैं। ये 10 सेकंड के स्लॉट के लिए 25 से 40 लाख रुपये के बीच रहती हैं। इस मैच से केवल विज्ञापन से ही करीब 300 करोड़ रुपये की आय हो जाती है। वहीं अन्य विश्वकप मैचों की कीमत करीब 138 करोड़ रुपये होती है। इस प्रकार देखा जाये तो , भारत-पाकिस्तान मैच से होने वाली आय दोगुनी से अधिक है।

ऐसे में इस मैच के नहीं होने से प्रसारणकर्ताओं को विज्ञापन के अलावा अन्य स्रोतों से भी कम कमाई होगी क्योंकि विश्वकप कप देखने वाले प्रशंसकों की संख्या भी घटेगी। इससे टूर्नामेंट के अन्य मैचों की कमाई भी घटना तय है। इस प्रकार प्रसारकों को करीब 370 से 400 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। ऐसे में आईसीसी के राजस्व में भी कमी आयेगी। इससे उसके सदस्य बोर्डों को मिलने वाली रकम भी कम हो जाएगी। ऐसे में भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड पर भले ही अधिका प्रभाव न पड़े पर आईसीसी पर आधारित छोटे बोर्डों की मुश्कलें बढ़ जाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार मैच रद्द होने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान दोनों को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई इससे झेल लेगा पर पाक बोर्ड का दिवाला निकलना तय नजर आता है।

पीसीबी को आईसीसी की कुल कमाई का करीब 5.75फीसदी हिस्सा मिलता है, जो सालाना लगभग 34.5 मिलियन डॉलर होता। अब पीसीबी के स्वयं हटने से उसे बीमा सुरक्षा नहीं मिली है जिससे पीसीबी पर कानूनी कार्रवाई होने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आईसीसी प्रसारणकर्ताओं के नुकसान की भरपाई के लिए पीसीसी को दी जाने वाली राशि में बड़ कटौती कर सकती है।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन को भारतीय अंपायर ने सही बताया

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सवाल उठे हैं। तारिक के एक्शन को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन ने गलत बताया है। वहीं भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने कहा है कि आईसीसी के नियमों के अनुसार तारिक का ऐक्शन ठीक है। उन्होंने कहा, अभी तारिक के ऐक्शन को लेकर एक वीडियो मेरे पास आया है, ।इसमें उनका जो ऐक्शन है थोड़ा साइड वाला है और थोड़ा अलग है वह थोड़ा रुककर गेंद डालते हैं, क्योंकि वो सारी गेंद एक ही तरह से डालते हैं और उनका जो आर्म है, उसमें बेंडिंग और स्ट्रेटनिंग नहीं है जो आईसीसी नियमों के अनुसार ठीक है।ऐसे में मेरे हिसाब से उनका ऐक्शन सही है।इस स्पिनर ने गत तीन महीने में केवल 3 ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं।हैरानी की बात ये है कि वे तीन सीरीजों में 3 मैच ही खेल पाये हैं।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाहौर में दूसरे टी20 मैच में उन्होंने 2.4 ओवर गेंदबाजी की।जिसमें 16 रन दिए और 2 विकेट हासिल किए।3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के करियर में उन्होंने 8 विकेट लिए हैं।इस गेंदबाज का पाक टीम एक रहस्यमयी स्पिनर के तौर पर कभी-कभी ही उपयोग करती है।

भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि ! अगले साल भारत में होगी एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। भारत अगले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई देशों के शीर्ष निशानेबाजों को एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के पास सीधे ओलंपिक कोटा हासिल करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारत को यह मेजबानी मिलना देश की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने पत्र में कहा, ''हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।'' पीटीआई के पास मौजूद पत्र में कहा गया है, ''हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।''

देव को उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय निशानेबाज ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों को दो ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा जो उन्हें अपनी धरती पर खेलने हैं और जिनमें वे अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल कर सकते हैं। मैं एएससी के महासचिव इंजीनियर अल ओतैबी और उनकी टीम का विश्वस्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की भारत की क्षमता पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।''

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ''यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नयी दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।''

सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा। आईएसएसएफ ने पेरिस ओलंपिक खेलों के चक्र के दौरान विश्व कप में ओलंपिक क्वालीफिकेशन कोटा नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के चक्र के लिए कोटा स्थान देने का फैसला किया है।

सिंह ने कहा, ''उम्मीद है कि भारतीय निशानेबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। हमारा लक्ष्य देश के लिए आवंटित सभी 24 स्थानों का कोटा हासिल करना है जो पेरिस ओलंपिक के लिए हासिल किए गए 22 कोटा स्थान से अधिक है।'' दिल्ली में बुधवार से इस वर्ष की एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में 20 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज भाग लेंगे।

आईसीसी क्रिकेट की भलाई के लिए निष्पक्ष रहते हुए फैसला ले : अफरीदी

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होने पर नाराजगी जतायी है।अफरीदी ने साथ ही कहा कि अब आईसीसी को इस मामले में निष्पक्ष रहते हुए कोई फैसला लेना चाहिये। अफरीदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब राजनीति संवाद के दरवाजे बंद कर देती है तो क्रिकेट दरवाजे खोल सकता है। यह दुखद है कि इस बार पाक टीम विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी। साथ ही कहा कि वह अपनी सरकार के भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने के फैसले का समर्थन करते हैं। दोनो ही टीमों के बीच ये मैच 15 फरवीर को कोलंबो में होना था। अफरीदी के अलावा मोहम्मद यूसुफ और राशिद लतीफ, मोइन खान और सरफराज अहमद जैसे पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भी सरकार के भारतीय टीम का बहिष्कार करने के फैसले का समर्थन किया है। लतीफ ने कहा, आईसीसी ने जिस तरह बांग्लादेश के साथ व्यवहार किया या हाल के वर्षों में जिस तरह वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सामने झुकी है, ऐसे में किसी न किसी को कठोर रूख अपनाने की जरुरत थी।। मोइन ने कहा, अब आईसीसी को देखना होगा कि वह विश्व क्रिकेट के व्यापक हित में किस तरह से आगे बढ़ना चाहता है।सरफराज ने कहा कि वह पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति न मिलने के कारणों को समझ सकते हैं। वहीं पाक टीम के कप्तान सलमान अली ने कहा कि उनकी टीम विश्वकप में हार मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से श्रीलंका जाएगी।उन्होंने कहा, हमारे तीन अन्य ग्रुप मैच हैं और हम सभी जीतकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे।पाकिस्तान टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत ने व्यापारिक समझौतों की झड़ी लगा दी: रिजिजू

– ट्रेड डील के बाद एनडीए संसदीय बैठक में पीएम मोदी का तालियों से स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर हुई चर्चा के बाद अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ को 25 से घटाकर 18फीसदी करने का ऐलान किया है। भारत-अमेरिका के बीच एक ऐतिहासिक ट्रेड एग्रीमेंट के बाद मंगलवार को एनडीए संसदीय बैठक में पीएम मोदी का तालियों और तारीफों के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी से फोन पर बात करने के बाद ट्रंप ने घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक ट्रेड डील पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय सामानों पर आपसी टैरिफ को मौजूदा 25 से घटाकर 18 फीसदी कर देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक में कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत ने व्यापारिक समझौतों की झड़ी लगा दी है। उन्होंने भारत की बढ़ती वैश्विक साख को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय संघ, यूएई, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अब अमेरिका के साथ अहम व्यापारिक समझौते किए हैं। ये

समझौते न केवल भारत के प्रति दुनिया के भरोसे को दर्शाते हैं, बल्कि आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

रिजिजू ने बताया कि यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। भारत की पहचान और कद वैश्विक स्तर पर बढ़ा है और यह इन ट्रेड एग्रीमेंट के जरिए भारत पर कई देशों के भरोसे को दिखाता है। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने इस डेवलपमेंट को भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया और इस फैसले के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों और अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग से अहम अवसर खुलेंगे और दोनों देशों के लोगों को फायदा होगा।

पीएम मोमदी ने ट्रंप के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए अहम है और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारतीय सामानों पर अपनी आपसी टैरिफ दर को 25 से घटाकर 18 फीसदी कर देगा और इस कदम को पीएम मोदी के प्रति दोस्ती और सम्मान का प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की संसद में सरकार दे पूरी जानकारी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौतों के बाद अमेरिका द्वारा 18 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने को लेकर कहा कि इस फैसले का वास्तविक असर ज़मीन पर लागू होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा, इसलिए पर्याप्त जानकारी के अभाव में जल्दबाज़ी में कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। सोशल मीडिया पर मंगलवार को जारी बयान में बसपा नेत्री मायावती ने आशंका जताई कि इस तरह के कदमों का प्रभाव देश के बहुजन, गरीबों, मज़दूरों, किसानों और महिलाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह जानना ज़रूरी है कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक निर्णयों से आम जनता को क्या लाभ या नुकसान होगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर संसद सत्र के दौरान विस्तृत जानकारी दी जाए, ताकि देशवासियों को सही-सही तथ्य मिल सकें और पारदर्शिता बनी रहे। उनका कहना था कि सरकार द्वारा समय रहते स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करने से भ्रम की स्थिति समाप्त होगी और जनहित से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा संभव हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों और व्यापारिक नीतियों का सीधा असर घरेलू अर्थव्यवस्था और रोज़गार पर पड़ता है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर पहलू पर विचार कर जनता के हितों की रक्षा करे।

रील बनाने का जुनून बना काल, वंदे भारत की चपेट में आने से यूपी के दो युवकों की मौत

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में सोशल मीडिया के लिए रील और सेल्फी बनाने का जानलेवा शौक एक बड़े हादसे में तब्दील हो गया। भक्तिनगर और रिबडा रेलवे स्टेशन के बीच मालधारी रेलवे फाटक के पास सोमवार दोपहर तेज रफ्तार वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक रेलवे ट्रैक के बेहद करीब खड़े होकर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। हादसे का शिकार हुए तीनों युवक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और राजकोट की एक फैक्ट्री में मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते थे। मृतकों की पहचान संदीप पटेल और संदीप कोहरी के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक का नाम कपिल है, जिसकी हालत अस्पताल में नाजुक बनी हुई है। चश्मदीदों और पुलिस के अनुसार, वंदे भारत ट्रेन अपने निर्धारित रूट पर उच्च गति से गुजर रही थी, तभी ये युवक ट्रैक के पास रील बनाने और फोटो खींचने में मशगूल थे। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे सीधे उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे युवक की मौत इलाज के दौरान हुई। घायल कपिल को तत्काल 108 एम्बुलेंस के जरिए राजकोट सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए रेल यातायात भी बाधित रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। राजकोट दक्षिण के एसीपी भावेश जाधव ने बताया कि प्राथमिक जांच और चश्मदीदों के बयानों से यह स्पष्ट हुआ है कि युवक ट्रेन के साथ वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से लापरवाही का मामला है। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है इस दुखद घटना ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक के पास सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलवे प्रशासन ने जनता से बार-बार अपील की है कि वे पटरियों के पास सेल्फी लेने या वीडियो बनाने जैसी खतरनाक गतिविधियों से दूर रहें। वंदे भारत जैसी हाई-स्पीड ट्रेनों के आने के बाद रेलवे ट्रैक के पास की गई छोटी सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है।

हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट की बस खाई में गिरी, 3 की मौत, कई गंभीर रुप से घायल

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के विकासनगर इलाके में बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा क्वाणु इलाके में सुदोई खड्ड के पास हुआ, जब चौपाल-नेरवा से हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब जा रही हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस बेकाबू होकर खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस सुबह करीब 6 :30 बजे चौपाल डिपो से नेहवा पहुंची थी और मीनस-क्वाणु-हरिपुर रूट से पांवटा साहिब की ओर जा रही थी। उस समय बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि मीनस-क्वाणु-हरिपुर सड़क पर सुदोई खड्ड के पास एक ट्रक को रास्ता देते समय सड़क का किनारा धंस गया। नतीजतन, यात्रियों से भरी हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बस का संतुलन बिगड़ गया, वह कई बार पलटी और आखिरकार सीधी गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्यों में मदद करने लगे। पुलिस प्रशासन और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जाजपुर के बिराजा मंदिर में पिंड दान किया

जाजपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ओडिशा के जाजपुर जिले स्थित बिराजा मंदिर में पिंड दान अनुष्ठान किया। इस पवित्र कार्यक्रम का उद्देश्य उनके पूर्वजों की आत्माओं के उद्धार के लिए धार्मिक संस्कार करना था। मंदिर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए लगभग 600 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा धार्मिक और शैक्षिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिंड दान के बाद वह बालासोर स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इस अवसर पर वह विश्वविद्यालय परिसर में नए निर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी करेंगी। अधिकारियों के अनुसार यह पहल पूर्वी भारत में उच्च शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का क्षण भी माना जा रहा है, क्योंकि इससे स्थानीय धार्मिक और शैक्षिक संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर का सम्मान मिला है।

नवी मुंबई की लापता लॉ स्टूडेंट श्रेया पाटी लोनावला में मृत मिली

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई से लापता 20 वर्षीय लॉ स्टूडेंट श्रेया नरेंद्र पाटी का शव पुणे जिले के लोनावाला स्थित टाइगर पॉइंट की 400 फीट गहरी खाई में मिला है। पुलिस के अनुसार, श्रेया 30 जनवरी से लापता थी। शव को ढूँढने में ड्रोन कैमरों की मदद ली गई। श्रेया बिट्स लॉ स्कूल की छात्रा थी। 30 जनवरी को उसने नवी मुंबई स्थित घर से कहा था कि वह लोनावला में ड्यूक्स नोज पर ट्रेकिंग करने जा रही है और शाम तक लौट आएगी। इसके बाद उसका फोन नेटवर्क से बाहर हो गया। पुलिस ने बताया कि उसी दिन शाम को श्रेया के पिता को टाइगर पॉइंट के पास नाश्ते की दुकान चलाने वाले व्यक्ति का फोन आया। दुकानदार ने बताया कि उसकी दुकान के पास एक बैग मिला है, जिसमें श्रेया का कॉलेज आईडी कार्ड था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने लोनावला में खोजबीन तेज की और ड्रोन की मदद से उसका शव खाई में पाया। अधिकारियों का अनुमान है कि श्रेया खाई में गिर गई, लेकिन मामले की पूरी जांच अभी चल रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजकोट के यस बैंक में भीषण आग, कैश सुरक्षित, फर्नीचर जलकर खाक

राजकोट(एजेंसी)। गुजरात के राजकोट शहर के रेसकोर्स रिंग रोड स्थित यस बैंक की शाखा में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, और लगभग एक घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बैंक का पूरा फर्नीचर, 12 कंप्यूटर और प्रिंटर जलकर खाक हो गए हैं।

40 की उम्र में दूसरा बच्चा पहली बार की तुलना में यह सफर ज्यादा मुश्किल हो सकता है : डॉ. विनीता कुमारी

एजेंसी

मुंबई : कई दंपति यह जानकर चौंक जाते हैं कि 40 की उम्र में दूसरे बच्चे की कोशिश करना पहली बार से कहीं ज्यादा कठिन साबित हो सकता है। डॉ. विनीता कुमारी, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, रांची का कहना है कि अक्सर पहला गर्भधारण बिना किसी परेशानी के, प्राकृतिक तरीके से हो जाता है, जिससे यह धारणा बन जाती है कि शरीर उसी हिसाब से दोबारा अपना काम कर देगा। लेकिन सच्चाई यह है कि उम्र के साथ फर्टिलिटी बदलती रहती है भले ही पहले सब कुछ आसानी से हुआ हो। महिलाओं में फर्टिलिटी पर उम्र का असर मासिक धर्म बंद होने से बहुत पहले ही शुरू हो जाता है। कई बार मासिक धर्म नियमित रहता है, फिर भी अंडाणुओं की गुणवत्ता धीरे-धीरे कम होती जाती है। 40 की शुरूआत तक आते-आते अंडाणुओं में जेनेटिक गड़बड़ियों की संभावना बढ़ जाती है। इसका सीधा असर भ्रूण के गर्भ में ठहरने पर पड़ता है और मिसकैरेज का जोखिम भी बढ़ जाता है। दो गर्भधारण के बीच का समय भी अहम होता है। इस दौरान गर्भाशय में फाइब्रॉइड, एडिनोमायोसिस या एंडोमेट्रियोसिस जैसी समस्याएं बिना किसी स्पष्ट लक्षण के विकसित हो सकती हैं। पहले की सिजेरियन डिलीवरी या गर्भाशय से जुड़ी किसी प्रक्रिया के कारण अंदरूनी निशान भी रह सकते हैं, जो इम्प्लांटेशन में बाधा बनते हैं भले ही स्कैन सामान्य क्यों न दिखें। हार्मोन से जुड़े टेस्ट, गर्भाशय की विस्तृत जांच और सीमेन एनालिसिस–कभी-कभी स्पर्म डीएनए टेस्टिंग के साथ स्थिति को साफ समझने में मदद करते हैं। यह सफर पहले अनुभव को दोहराने का नहीं, बल्कि यह समझने का है कि समय के साथ फर्टिलिटी में क्या बदलाव आए हैं और उसी के अनुसार सही कदम उठाने का।

मुख्य चुनाव आयुक्त की चेतावनी पर बोलीं ममता- वे सरकार के पिछलग्गू की तरह काम कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच भारी गहमागहमी देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया कि देश में कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में आए तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कड़े लहजे में कहा कि कानून अपने हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। आयोग ने साफ किया कि वह अपने पास निहित शक्तियों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही कार्य करेगा और किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममत बनर्जी ने आयोग पर सरकार का पिछलग्गू होने का आरोप लगाया है।

यह विवाद राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से शुरू हुआ। तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के समक्ष मतदाता सूची से संबंधित कई गंभीर मुद्दे उठाए। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान माहौल उस समय

तनावपूर्ण हो गया जब मुख्यमंत्री ने जाते समय मेज थपथपाकर अपनी बात रखी। आयोग के साथ हुई इस बैठक के बाद ममता बनर्जी ने निर्वाचन सदन से बाहर आकर चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आयोग पर राज्य के लोगों को निशाना बनाने और सत्तारूढ़ दल के पिछलग्गू की तरह काम करने का संगीन आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने इस बैठक को अपमानजनक करार देते हुए इसके बहिष्कार का ऐलान किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान लगभग 58 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। बनर्जी का आरोप है कि नाम की वर्तनी में मामूली बदलाव जैसी छोटी-छोटी बातों को आधार बनाकर मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया है और प्रभावित लोगों को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर भी नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयोग चुनाव से पहले ही सरकार चुन लेगा? उन्होंने आयोग के व्यवहार को अहंकारी बताते हुए कहा कि उनकी पार्टी को न्याय नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने आयोग को पांच पत्र भेजे थे, लेकिन उनमें से एक का भी जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग सत्ताधारी दल के निर्देशों पर काम कर रहा है। बनर्जी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह लाखों लोगों को दिल्ली लाकर किसी के भी सामने उनकी परेड करा सकती हैं। उन्होंने बैठक से बाहर आने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया गया, जिसके कारण उन्हें अंततः बैठक का बहिष्कार करना पड़ा। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बीच ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर भी बंग भवन की घेराबंदी करने का आरोप लगाया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है और बंग भवन में न तो सुरक्षा में कोई चूक हुई है और न ही किसी प्रकार का प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव आयोग और एक राज्य की मुख्यमंत्री के बीच इस तरह का सीधा टकराव आने वाले चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल को और अधिक गर्मा सकता है।

‘फन ऑन द रन’ का सोलफुल लव सॉन्ग ‘मनजोगी’, सोनू निगम की आवाज में

एजेंसी

मुंबई : ‘भाबीजी घर पर हैं।- फन ऑन द रन’ बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी बीच फिल्म का रोमांटिक गाना ‘मनजोगी’ रिलीज किया गया है, जिसे अपनी सुरीली आवाज के लिए पहचाने जाने वाले सोनू निगम ने गाया है। फिल्म की तेज रफ्तार कॉमेडी और भागदौड़ के बीच यह गाना एक सुकून भरा ठहराव लेकर आता है, जहाँ प्यार को उसके सादे और सच्चे रूप में महसूस किया जा सकता है। ‘बॉर्डर 2’ के गहरे और असरदार जज्बातों के बाद, ‘मनजोगी’ में सोनू निगम अपनी आवाज में एक हल्की-फुल्की, मस्ती भरी सिनेमाई दुनिया का जादू लेकर आए हैं। ‘मनजोगी’ के बोल गुलाम मोहम्मद खावर ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत विशाल शेल्के ने दिया है। गाने की खास बात इसकी सादगी है। इसके बोल सीधे दिल से जुड़ते हैं और इसकी धुन धीरे-धीरे मन में बस जाती है। यह ऐसा गीत है,

जो शोर नहीं करता, बल्कि चुपचाप अपना असर छोड़ जाता है। जी सिनेमा, संजय कोहली और बिनैफर कोहली द्वारा निर्मित, जी स्टूडियोज और संजय कोहली द्वारा प्रस्तुत ‘भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन’, एडिट टू का प्रोडक्शन है। फिल्म में शुभांगी अत्रे, विदिशा श्रीवास्तव, आसिफ शेख, रोहिताश्व गौर, रवि किशन, मुकेश तिवारी और निरहुआ अहम् भूमिकाओं में नजर आएँगे। इस फिल्म का निर्देशन शशांक बाली ने किया है और जी स्टूडियोज इसे 6 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने जा रहा है। जहां ‘भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन’ दर्शकों को हँसी, उलझनों और कॉमेडी से भरपूर सफर पर ले जाने वाली है, वहीं ‘मनजोगी’ कहानी में एक नर्म और भावनात्मक रंग जोड़ता है। यह गाना याद दिलाता है कि कई बार प्यार को महसूस कराने के लिए ज्यादा शब्दों की जरूरत नहीं होती। 6 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही ‘भाबीजी घर पर हैं!- फन ऑन द रन’ के साथ हँसी, प्यार और संगीत से भरे इस सफर का हिस्सा जरूर बनिए।

कई बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे, मणिपुर में सरकार बनाने की भागदौड़ तेज

–पार्टी ने तरुण चुक को बनाया पर्यवेक्षक, मैतेई समुदाय का बन सकता है सीएम

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी में मणिपुर से लेकर दिल्ली तक भागदौड़ तेज हो गई है। मणिपुर के 20 से ज्यादा बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे थे और अब पार्टी ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है। राज्य में अगले साल राष्ट्रपति शासन खत्म होने वाला है और उससे पहले पार्टी के नेता चाहते हैं कि सरकार बना ली जाए। सोमवार को बीजेपी ने मणिपुर में पर्यवेक्षक के तौर पर तरुण चुग को नियुक्त किया है, जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। अब किसी भी दिन मणिपुर में एनडीए विधायकों की बैठक हो सकती है जिसमें नेता का चुनाव हो सकता है।

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि नई सरकार में राज्य में एक डिप्टी सीएम भी होगा। मैतेई समुदाय से सीएम बनने की संभावना है तो वहीं कुकी समुदाय के किसी नेता को डिप्टी सीएम के तौर पर जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसा इसलिए ताकि राज्य में यह संदेश जाए कि सरकार सभी को साथ लेकर चल रही है।

बता दें बीते सालों में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच तनाव देखा गया था और भीषण हिंसा हुई थी। इसी स्थिति से बचाव के लिए बीजेपी अब कुकी समाज से एक डिप्टी सीएम बना सकती है। बीरेन सिंह की सरकार में असेंबली स्पीकर रहे सत्यब्रत सिंह और पूर्व मंत्री टीएच बिस्वजीत सिंह और के गोविंद दास को मौका मिल सकता है। ये सभी नेता मैतेई समुदाय के ही हैं। दरअसल बीजेपी के अंदर भी तनाव की स्थिति है। कुकी विधायकों का कहना है कि उनके समुदाय का दबाव है। ऐसी स्थिति में यदि कुकी समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो उनके लिए सरकार का हिस्सा बनना मुश्किल होगा। ऐसी मांग कुकी विधायकों ने केंद्रीय नेतृत्व से की है। इसको लेकर सरकार अब विचार कर रही है। यही नहीं कुछ विधायकों का कहना है कि मणिपुर को केंद्र शासित प्रदेश ही बना देना चाहिए, जिसकी अपनी विधानसभा भी हो। बता दें मणिपुर में पहली बार 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। यह 6 महीने के लिए था और फिर अगस्त 2025 में एक बार फिर से इसे 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया। एन बीरेन सिंह ने बीते साल फरवरी में सीएम पद छोड़ दिया था। मणिपुर में विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है। ऐसे में विधायक चाहते हैं कि कम से कम एक साल के लिए ही नए सिरे से सरकार का गठन किया जाए और कुछ काम करके ही जनता के बीच चुनाव में जाया जाए। फिलहाल 60 सीटों वाले मणिपुर सदन में बीजेपी के 37 विधायक हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: विकास की दौड़ में पटना सबसे आगे

पटना(एजेंसी)। बिहार सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के आंकड़ों ने राज्य के भीतर आर्थिक समृद्धि और विकास की गहरी विषमता को उजागर कर दिया है। सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है कि जहां राज्य की औसत प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 76,490 रुपये तक पहुंच गई है, वहीं जिलों के बीच विकास का असंतुलन चिंता का विषय बना हुआ है। यह रिपोर्ट मुख्य रूप से प्रति व्यक्ति आय, ईंधन (पेट्रोल-डीजल) की खपत, एलपीजी उपयोग और लघु बचत जैसे संकेतकों पर आधारित है, जो स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर के वास्तविक अंतर को दर्शाती है।

सर्वेक्षण के अनुसार, राजधानी पटना ने राज्य के सबसे समृद्ध जिले के रूप में अपना दबदबा बरकरार रखा है। पटना में प्रति व्यक्ति आय 1,31,332 रुपये दर्ज की गई है, जो न केवल राज्य के औसत से कहीं अधिक है, बल्कि सबसे गरीब जिले की तुलना में लगभग छह गुना ज्यादा है। पटना की इस समृद्धि का मुख्य कारण वहां का व्यापारिक ढांचा, शैक्षणिक केंद्र और सरकारी सेवाओं की सघनता है। समृद्धि के मामले में बेगूसराय 61,566 रुपये की आय के साथ दूसरे और औद्योगिक गतिविधियों वाला मुंगेर 54,469 रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खड़ा है।

इसके विपरीत, राज्य के कुछ जिले आज भी भीषण आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। शिवहर बिहार का सबसे गरीब जिला बनकर उभरा है, जहां प्रति व्यक्ति आय महज 22,047 रुपये है। इसी श्रेणी में अररिया (23,670 रुपये) और सीतामढ़ी (24,332 रुपये) का स्थान आता है। इन जिलों में आजीविका का मुख्य आधार कृषि है, लेकिन हर साल आने वाली बाढ़, संसाधनों की कमी और औद्योगिक निवेश के अभाव ने यहां विकास की गति को रोक दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इन पिछड़े जिलों में ईंधन और एलपीजी की खपत भी सबसे कम दर्ज की गई है, जो बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा करती है। हालांकि, व्यापक स्तर पर बिहार की अर्थव्यवस्था ने 2024-25 में 13.1 प्रतिशत की शानदार विकास दर दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 9.8 प्रतिशत से काफी बेहतर है। राज्य की जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान 58 प्रतिशत तक पहुंच गया है, लेकिन कृषि और विनिर्माण क्षेत्र में अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर भारी बजट आवंटित किया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पिछड़े जिलों के लिए लक्षित औद्योगिक नीतियां और बाढ़ नियंत्रण के ठोस उपाय नहीं किए जाते, तब तक यह विषमता दूर करना संभव नहीं होगा। यह सर्वेक्षण नीति निर्माताओं के लिए एक चेतावनी है कि तीव्र आर्थिक विकास के साथ-साथ समावेशी

विकास पर ध्यान देना अब अनिवार्य हो गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902